आश्विन कृष्ण - 11 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 78 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 10-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सरकार की नीतियों से देश में बढ़ी अमीरी-गरीबी की खाई : खरगे

6 बालिकाएं कब तक बेचारगी का जीवन जीएंगी?

7 सलमान ने भांजी के साथ शेयर की तस्वीरें

फर्स्ट टेक

बेरोजगारी की दर 6.6 प्रतिशत

नई दिल्ली/वार्ता। देश में अप्रैल से जून 2023 की तिमाही में बेरोजगारी की दर 6.6 प्रतिशत दर्ज की गयी है जो इससे पिछले वर्ष 2022 की इसी तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही थी। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के सोमवार को यहां जारी तिमाही श्रम बल सर्वेक्षण जून 2023 में कहा गया है कि देश में 15 वर्ष से अधिक आयु के श्रम बल में बेरोजगारी की दर अप्रैल से जून 2023 की अवधि में 6.6 प्रतिशत रही है। आंकडों के अनुसार जनवरी से मार्च 2023 की अवधि में बेरोजगारी की दर 6.8 प्रतिशत रही थी।

अफगानिस्तान को 2 लाख डॉलर की सहायता देगा चीनी

बीजिंग/वार्ता। चीन की रेड क्रॉस सोसाइटी ने कहा कि वह पिछले सप्ताह अफगानिस्तान के पश्चिम में आए विनाशकारी भूकंप के परिणामों को कम करने के लिए अफगान रेड क्रिसेंट को आपातकालीन मानवीय सहायता के रूप में 2 लाख डॉलर प्रदान करेगा। चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, चीनी रेड क्रॉस सोसाइटी ने राहत और बचाव कोशिशों को सुविधाजनक बनाने के लिए रविवार को इस फैसले की घोषणा की। इससे पहले तालिबान के राजनीतिक कार्यालय (आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों के अंतर्गत) के प्रमुख सुहैल शाहीन ने कहा कि अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में भूकंप पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए 10 बचाव दल काम कर रहे हैं, जिनके पास दवा, बुनियादी आवश्यकता और टेंट की कमी है।

थलसेना, वायुसेना ने उत्तरी सिक्किम से करीब 400 पर्यटकों को बचाया

गंगटोक/भाषा। भारतीय वायु सेना और थल सेना ने उत्तरी सिक्किम के लाचेन और लाचुंग कस्बों से सोमवार को बांग्लादेश के 13 नागरिकों समेत करीब 400 पर्यटकों को बचाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायुसेना के एमआई-17 और चिनूक हेलीकॉप्टर ने 10 उड़ान भरीं और 354 पर्यटकों को आपदा प्रभावित इलाकों से बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि इन पर्यटकों को पाक्योंग हवाई अड्डा लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि थलसेना ने हेलीकॉप्टर के जरिए लाचेन से 45 पर्यटकों को मंगन स्थानांतरित किया। उन्होंने कहा कि ये पर्यटक बुधवार को मंगन जिले में ल्होनक झील पर बादल फटने के बाद लाचेन और लाचुंग में फंस गए थे। बादल फटने के कारण तीस्ता नदी में बाढ़ आ गई थी, जिसकी वजह से इस हिमालयी राज्य के कई शहर और गांव तबाह हो गए।

न्याय रहित समाज का समाप्त हो जाता है अस्तित्व : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कृषि-खाद्य प्रणालियों को अधिक न्यायसंगत और समावेशी बनाने की जरूरत पर बल देते हुए आज कहा कि न्याय रहित समाज का समृद्धि के बावजूद अस्तित्व समाप्त हो जाता है। राष्ट्रपति ने सोमवार को यहां अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान पर सलाहकार समूह, 'जेंडर इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म ' और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित 'अनुसंधान से प्रभाव तक: न्यायसंगत और लचीली कृषि-खाद्य प्रणालियों की ओर' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यदि कोई समाज न्याय रहित है, तो समृद्धि के बावजूद उसका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जब स्त्री-पुरुष समानता की बात आती है, तो सबसे पुरातन विज्ञान के रूप में पहचानी जाने वाली कृषि, आधुनिक समय में भी कमजोर स्थिति में है। कोविड महामारी ने कृषि-खाद्य प्रणालियों और समाज में संरचनात्मक असमानता के बीच एक सुदृढ़ संबध को भी सामने ला दिया है। उन्होंने कहा कि महामारी के दिनों में पुरुषों की तुलना में, महिलाओं को अधिक संख्या में नौकरियां गंवानी पड़ी और इससे उनका पलायन शुरू हुआ।

राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक स्तर पर महिलाओं को लंबे समय तक कृषि-खाद्य प्रणालियों से बाहर रखा गया है। महिलाएं कृषि प्रणाली का मूल आधार हैं, लेकिन उन्हें निर्णायक भूमिका निभाने के अवसरों से वंचित किया जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में, महिलाओं को भेदभावपूर्ण सामाजिक मानदंडों और ज्ञान, स्वामित्व, संपत्ति, संसाधनों तथा सामाजिक नेटवर्क में बाधाओं के रूप में आगे बढ़ने से रोका जाता है और पीछे धकेला जाता है।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, राजस्थान, तेलंगाना, मिजोरम में चुनाव की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। चुनाव आयोग ने पाँच राज्यों में चुनाव की घोषणा की जिसमें छत्तीसगढ़ को छोड़कर बाकी चार राज्यों में एक-एक चरण में ही चुनाव संपन्न होंगे और चुनाव परिणाम तीन दिसंबर को आएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव की तारीख़ों का एलान करते हुए सोमवार को कहा कि मिजोरम में सात नवंबर, छत्तीसगढ़ में सात और 17 नवंबर, मध्य प्रदेश में 17 नवंबर, राजस्थान में 23 नवंबर जबकि तेलंगाना में 30 को मतदान होंगे। उन्होंने कहा कि कुल 16.14 करोड़ मतदाता इन चुनावों में अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। इनमें 8.2 करोड़ पुरुष मतदाता, 7.8 करोड़ महिला मतदाता होंगे। इस बार 60.2 लाख नए मतदाता पहली बार मतदान डालेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि 17 अक्टूबर को वोटिंग लिस्ट जारी होगी और 23 अक्टूबर तक मतदाता सूची में सुधार का मौका मिलेगा।

कुमार ने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के लिए 679 विधानसभा क्षेत्रों में 1.77 लाख मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। 17,734 मॉडल मतदान केंद्र होंगे। आठ हजार 192 मतदान केंद्रों पर महिलाएं कमान संभालेंगी। उन्होंने कहा कि आपराधिक पृष्ठभूमि वालों को तीन बार अखबारों में अपनी जानकारी विज्ञापित करानी होगी। वहीं राजनीतिक दलों को भी बताना पड़ेगा कि ऐसे प्रत्याशियों को टिकट देने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं था।

चुनाव आयोग के अनुसार मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के लिए 17 नवंबर को मतदान होंगे। मतों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। चुनाव के लिए अधिसूचना 21 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर होगी। नामांकन पत्रों की जांच 31 अक्टूबर को की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख दो नवंबर होगी। इसी प्रकार राजस्थान की 200 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 23 नवंबर को होंगे।

देश के भविष्य के लिए जातीय जनगणना जरुरी : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश के गरीब, आदिवासी, दलितों और ओबीसी के लिए जाति जनगणना को जरूरी बताते हुए कहा है कि कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कार्य समिति-सीडब्ल्यूसी ने सर्वसम्मति से जाति जनगणना कराने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। गांधी ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में जिसकी जितनी आबादी है उसे सत्ता में उसी हिसाब से भागीदारी मिलनी चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए जातीय जनगणना आवश्यक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ओबीसी के लिए काम नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि वह देश के दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को उनका हिस्सा नहीं देना चाहते हैं इसलिए जाति जनगणना नहीं करवा रहे हैं। उनका कहना था कि देश के विभिन्न संस्थानों में आदिवासी, दलित, ओबीसी कितना है इसकी जनगणना होनी जरूरी है और उनकी आर्थिक हैसियत क्या है इसका भी सर्वे कराया जाना चाहिए।

गांधी ने जातीय जनगणना नहीं करने के लिए मोदी पर सीधा हमला किया और कहा कि प्रधानमंत्री जातीय जनगणना कराने में असमर्थ हैं।

भारत तंजानिया बने रणनीतिक साझीदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। भारत एवं तंजानिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझीदारी में बदलने तथा रक्षा क्षेत्र एवं आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में परस्पर सहयोग को बढ़ाने की आज घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन के बीच यहां हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक में ये फैसले लिये। दोनों देशों के बीच परस्पर सहयोग के छह समझौतों पर भी हस्ताक्षर किये गये। दोनों देशों ने भारत तंज़ानिया रणनीतिक साझीदारी कायम करने के साथ ही स्मार्ट पोर्ट, अंतरिक्ष, जैवप्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैमानिकी प्रबंधन जैसे नये क्षेत्रों में आईटीईसी की एक हजार अतिरिक्त स्लॉट खोलने, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की छात्रवृत्तियां 70 से बढ़ा कर 85 करने की घोषणाएं भी कीं।

दोनों देशों ने जिन छह समझौतों पर हस्ताक्षर किये उनमें डिजीटल समाधान के क्रियान्वयन, व्हाइट शिपिंग पर सूचनाओं के आदान प्रदान, सांस्कृतिक आदान प्रदान, खेलों के क्षेत्रों में सहयोग, तंज़ानिया में एक औद्योगिक पार्क की स्थापना और समुद्री परिवहन के क्षेत्र में सहयोग के करार शामिल हैं।

बाद में श्री मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में कहा, आज का दिन भारत और तंज़ानिया के संबंधों में एक ऐतिहासिक दिन है। आज हम अपनी सदियों पुरानी मित्रता को रणनीतिक साझीदारी के सूत्र में बाँध रहे हैं। आज की बैठक में हमने इस भावी रणनीतिक साझेदारी की नींव रखते हुए कई नई पहलों की पहचान की है। भारत और तंज़ानिया आपसी व्यापार और निवेश के लिए एक दूसरे के महत्वपूर्ण साझीदार हैं। दोनों पक्ष स्थानीय मुद्रा में व्यापार बढ़ाने के लिए एक समझौते पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए हम नए अवसरों की तलाश जारी रखेंगे।

प्रोफेसर क्लॉडिया गोल्डिन को अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

स्टॉकहोम/एपी। हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर क्लॉडिया गोल्डिन को श्रम बाजार में स्त्री-पुरुष के बीच भेदभाव संबंधी समझ को बेहतर बनाने के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। 'रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज' के महासचिव हैंस एलेग्रेन ने सोमवार को यहां पुरस्कार की घोषणा की। गोल्डिन इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाली तीसरी महिला हैं। अर्थशास्त्र विज्ञान क्षेत्र में पुरस्कार विजेता का चयन करने वाली समिति के प्रमुख जैकब स्वैनसन ने कहा, ''श्रम बाजार में महिलाओं की भूमिका को समझना समाज के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत को स्विट्जरलैंड से अपने और नागरिकों, संगठनों के बैंक खातों का ब्यौरा मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बर्न/भाषा। भारत को सालाना आधार पर सूचनाओं के स्वत: आदान-प्रदान की व्यवस्था के तहत स्विट्जरलैंड से अपने और नागरिकों और संगठनों के स्विस बैंक खातों का ब्योरा मिला है। स्विट्जरलैंड ने 104 देशों के साथ करीब 36 लाख वित्तीय खातों का विवरण साझा किया है। अधिकारियों ने बताया कि स्विट्जरलैंड और भारत के बीच सूचनाओं का यह पांचवां वार्षिक आदान-प्रदान है। भारतीय अधिकारियों के साथ साझा किया गया नया विवरण ''सैकड़ों वित्तीय खातों'' से संबंधित हैं, जिनमें कुछ लोगों, कॉरपोरेट और न्यास (ट्रस्ट) से जुड़े खातों की जानकारी है।

साझा किए गए विवरण में पहचान, खाता और वित्तीय जानकारी शामिल है। इसमें नाम, पता, निवास का देश और कर पहचान संख्या के साथ ही रिपोर्टिंग वाले वित्तीय संस्थान, खाता शेष तथा पूंजीगत आय से संबंधित जानकारी शामिल है।

अधिकारियों ने सूचना के आदान-प्रदान की गोपनीयता से जुड़े नियमों और आगे की जांच पर इसके प्रतिकूल प्रभाव का हवाला देते हुए आदान-प्रदान के जरिये मिली जानकारी या किसी अन्य विवरण में शामिल राशि का खुलासा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इस ब्योरे का इस्तेमाल कर चोरी, धनशोधन और आंतकवाद के वित्तपोषण सहित अन्य गलत कृत्यों की जांच के लिए किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने चंद्रबाबू नायडू की तीन जमानत याचिकाओं को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा विभिन्न मामलों में दायर तीन जमानत याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। नायडू ने अमरावती इनर रिंग रोड और अंगल्लू हमला मामलों में जमानत और 'फाइबर नेट' मामले में अग्रिम जमानत का अनुरोध करते हुए अदालत का रुख किया था। अमरावती इनर रिंग रोड मामला नायडू के शासन के दौरान राजधानी शहर अमरावती के मास्टर प्लान में कथित रूप से 'हेरफेर' करने तथा कई कंपनियों को कथित तौर पर अनुचित रूप से लाभ की पेशकश करने से संबंधित है। अंगल्लू मामला अगस्त में तेदेपा प्रमुख द्वारा निकाली गई एक राजनीतिक रैली के दौरान हुए दंगों से जुड़ा है। अन्नामय्या जिले के अंगल्लू और चित्तूर जिले के पुंगानुरु में पथराव, आगजनी और दंगे में तेदेपा और सत्तारूढ़ युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के समर्थक और कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

सूर्यास्त	सूर्योदय
10-10-2023 5:53 बजे	11-10-2023 5:58 बजे

BSE	NSE
65,512.39	19,512.35
(-483.24)	(-141.15)

सोना	चांदी
5,998 रु.	75,500 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

टिकट का रगड़ा

क्या जनप्रतिनिधि भी होता है,
सोचो अगड़ा या फिर पिछड़ा।
वोटों के चस्के ने ही बस,
फैलाया है सारा रगड़ा।
दें टिकट योग्य को सभी अगर,
तब होगा खत्म सभी झगड़ा।
ऐसा वे ना होने देंगे,
जिनको सत्ता लालच तगड़ा।।

इजराइली सेना ने गाजा पट्टी पर हमले तेज किए

इजराइल के रक्षा मंत्री ने गाजा पट्टी की 'पूर्ण घेराबंदी' का आदेश दिया

यरूशलम/भाषा। इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने सोमवार को गाजा पट्टी की ''पूर्ण घेराबंदी'' का आदेश देते हुए कहा कि अधिकारी बिजली आपूर्ति ठप कर दें और वहां भोजन व ईंधन नहीं पहुंचने दें। इजराइल पर हमास के हमले में दो दिनों में 700 इजराइली नागरिकों की मौत हो चुकी है। गैलेंट इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) की दक्षिणी कमान में परिचालन तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। इस बैठक में दक्षिणी कमान के प्रमुख मेजर जनरल यारोन फिंकलमैन भी मौजूद हैं। एक बयान में गैलेंट के हवाले से कहा गया, ''मैंने एक आदेश दिया है कि गाजा की पूर्ण घेराबंदी की जाए। वहां बिजली आपूर्ति ठप की जाए और भोजन या ईंधन नहीं पहुंचने दिया जाए। हम बर्बर आतंकियों से लड़ रहे हैं और उचित जवाबी कार्रवाई करेंगे।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/एपी। हमास की 'सैन्य और शासन क्षमता' को नष्ट करने के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऐलान के बीच इजराइल की सेना ने सोमवार को गाजा पट्टी पर हवाई हमले तेज कर दिए और सीमा पर लगी बाड़ के जरिए सेंध लगाने की आशंकाओं को टालने के लिए वहां टैंक तैनात करते हुए हमास आतंकवादियों की तलाश में अपने जवानों को दक्षिण की तरफ रवाना कर दिया। इजराइल सरकार ने रविवार को हमास के खिलाफ युद्ध की औपचारिक घोषणा करते हुए आतंकवादी समूह के अप्रत्याशित हमलों का बदला लेने के लिए 'अहम सैन्य कदम' उठाने को मंजूरी दी।

वहीं, हमास के आतंकवादियों ने भी इजराइल पर रॉकेट दागना जारी रखा है, जिससे यरूशलम से लेकर तेल अवीव तक हवाई हमलों के प्रति अलर्ट करने वाले सायरन बज रहे हैं। इजराइल और हमास के बीच ताजा संघर्ष में दोनों पक्षों के मृतकों की संख्या 1,200 के पार चली गई है और हजारों लोग घायल हुए हैं। इजराइल में लगभग 700 लोगों के, जबकि गाजा पट्टी में करीब 500 फलस्तीनियों के मारे जाने की खबर है।

फलस्तीनी आतंकवादी समूहों ने इजराइल के 130 लोगों को बंधक बनाने का दावा किया है। इस बीच, इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने गाजा की 'पूर्ण घेराबंदी' का आदेश देते हुए कहा है कि अधिकारी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप कर दें और वहां भोजन तथा ईंधन आपूर्ति रोक दें। वर्ष 2007 में हमास द्वारा प्रतिद्वंद्वी फलस्तीनी बलों से सत्ता छीनने के बाद से इजराइल और मिस्र ने गाजा पट्टी पर विभिन्न स्तर के प्रतिबंध लगाए हैं।

इजरायल के समर्थन में युद्धपोत, लड़ाकू विमान भेज रहा है अमेरिका : ऑस्टिन

वाशिंगटन/वार्ता। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने रविवार को कहा कि हमास लड़ाकों के साथ संघर्षरत इजरायल के समर्थन में उनका देश पूर्वी भूमध्य क्षेत्र में युद्धपोत और लड़ाकू विमान भेज रहा है। ऑस्टिन ने अपने बयान में कहा कि यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को पूर्वी भूमध्य सागर की ओर जाने का निर्देश दिया गया है, जिसमें एक विमान वाहक, एक निर्देशित मिसाइल क्रूजर और चार निर्देशित मिसाइल विध्वंसक शामिल हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय मुख्यालय पेंटागन ने उस क्षेत्र में अमेरिकी वायु सेना के एफ-35, एफ-15, एफ-16 और ए-10 लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रन को आगे बढ़ाने के लिए भी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका इजरायल रक्षा बलों को युद्ध सामग्री सहित अतिरिक्त उपकरण और संसाधन तेजी से उपलब्ध कराएगा।

यूरोपीय संघ ईयू के अपराध को बख्शेगा नहीं

यरूशलम/वार्ता। इज़रायल ने शनिवार को फिलीस्तीन उग्रवादी संगठन हमास के हमले के पीछे ईरान का हाथ होने का आरोप लगाया है और इस गठजोड़ को पराजित करने के इरादे का इज़हार करते हुए कहा है कि वह इस अपराध को भूलेगा नहीं। इज़रायल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने आज यहां देर शाम को इंटरनेट के माध्यम से वैश्विक मीडिया के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि इज़रायल इस समय युद्ध के बीच है और वह अबतक के सबसे भयावह दौर से गुज़र रहा है। कोहेन ने कहा कि हमने देखा कि हज़ारों हमास आतंकवादियों ने सीमापार करके इज़रायल के सैनिकों पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि बीते दशकों में ऐसा हमला कभी नहीं देखा गया। रूस यूक्रेन युद्ध में भी इतनी क्रूरता नहीं हुई, जितना बीते दो दिन में हमास ने दिखायी है। उन्होंने कहा, हमास दरअसल ईरान का पिट्ठू है। पूरी दुनिया ने देखा है कि हमास क्या है। विश्व हमास को इतनी आसानी से कभी माफ नहीं कर सकता है।

तेलंगाना चुनाव: चुनावी गारंटियों से कांग्रेस को मिल सकता है फायदा, लेकिन अंतर्कलह एक समस्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में 2014 में बीआरएस (तत्कालीन टीआरएस) से हार का सामना करने वाली कांग्रेस आगामी 30 नवंबर को होने वाले चुनाव में सत्ता में लौटने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। कांग्रेस साल 2014 में केंद्र की सत्ता पर आसीन थी और उसने अलग राज्य के रूप में तेलंगाना के गठन का समर्थन किया था। इसके बावजूद पार्टी को विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

चुनाव में हार के बाद कांग्रेस का मनोबल गिरने लगा और नतीजा यह हुआ कि कई कद्दावर नेता पार्टी छोड़कर चले गए, जिससे पार्टी कमजोर हो गई। हालांकि सांसद ए. रेवंत रेड्डी के जुलाई 2021 में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) की कमान संभालने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच उम्मीदें बढ़ गईं। कार्यकर्ता पिछले तीन साल में हुए उपचुनाव और हैदराबाद नगर निगम चुनावों में मिली करारी हार को भुलाकर पार्टी को फिर से खड़ा करने में जुट गए।

कांग्रेस ने कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने निश्चित रूप से पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के मनोबल में इजाफा किया । यहां हम कांग्रेस की मजबूती, कमजोरी, अवसर और चुनौतियों (स्ट्रेंथ, वीकनेस, अपोर्चयूनिटी एंड थ्रैट- स्वाट) के बारे में बात करने जा रहे हैं।

मजबूती : कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने ही तेलंगाना को राज्य का दर्जा दिया था। पार्टी के साथ लोगों के बीच सामान्य सहानुभूति है क्योंकि वह तेलंगाना को अलग राज्य का दर्जा देने के बावजूद लगातार दो (2014 और 2018 में) चुनाव हार गई। तेलंगाना को राज्य का दर्जा मिलने के बाद लगातार दो बार सरकार बनाने वाली पार्टी बीआरएस सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही है। कांग्रेस पड़ोसी राज्य कर्नाटक में दी गई 'गारंटियों' की तर्ज पर यहां भी आकर्षक चुनावी वादे कर रही है। जमीनी स्तर पर कांग्रेस का कैडर मजबूत हुआ है, जो उसके लिए एक अच्छा संकेत है। कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष पार्टी मानी जाती है। पार्टी ने पहले ही उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिससे उसे चुनाव में बढ़त मिल सकती है। वरिष्ठ नेताओं की पदयात्रा ने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत किया है।

कमजोरियां: पार्टी के भीतर लगातार असंतोष और नेताओं की खुली आलोचना कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती हैं। इसके अलावा कांग्रेस राजनीतिक चतुराई में बीआरएस और भाजपा से पीछे नजर आती है जबकि पिछले कुछ समय में कई महत्वपूर्ण नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है, जिससे कांग्रेस के लिए चिंताएं बढ़ गई हैं।

अवसर: सत्तारूढ़ बीआरएस के खिलाफ दस साल की सत्ता विरोधी लहर कांग्रेस के लिए एक अवसर पैदा कर सकती है। पार्टी दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी के.कविता की कथित संलिप्तता को उजागर करके एक प्रभावी चुनाव अभियान चला सकती है।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव विचारधाराओं की लड़ाई : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव को विचारधाराओं की लड़ाई बताया और लोगों से बड़ी संख्या में उत्साह के साथ मतदान करने की अपील की। एक अन्य भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी उनके गृह राज्य मध्य प्रदेश सहित पांच राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों में विजयी होगी।

चुनाव आयोग द्वारा पांच राज्यों के लिए. चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद चौहान ने सीधी में संवाददाताओं से कहा, ''चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्यौहार है। मैं लोगों से पूरे उत्साह के साथ भाग लेने और बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील करता हूं क्योंकि चुनाव न केवल सरकार बनाते हैं बल्कि लोगों और राज्य का भविष्य भी तय करते हैं।'' मध्यप्रदेश में एक चरण में 17 नवंबर को मतदान होगा और वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। चौहान ने राजनीतिक दलों से यह भी ध्यान रखने की अपील की कि मध्यप्रदेश शांति का द्वीप है और चुनाव दुश्मनों के रूप में नहीं लड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा, ''यह विचारधाराओं की लड़ाई है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से हों, सरकार और विपक्ष सहित सभी को शालीनता से अपने विचार रखने चाहिए। कांग्रेस जाति सर्वेक्षण के आश्वासन के इर्द-गिर्द अपनी चुनावी कहानी बनाने की कोशिश कर रही है और उसने लोगों से कई वादे किए हैं।

दूसरी ओर, सत्तारूढ़ भाजपा संसद में लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने को मोदी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि बता रही है। बाद में राष्ट्रपति की सहमति से यह विधेयक कानून बन गया। भाजपा घोटालों, भ्रष्टाचार और लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में उसकी विफलता को लेकर कांग्रेस पर भी निशाना साध रही है और एक द्रमुक मंत्री की सनातन धर्म के उन्मूलन वाली टिप्पणी पर विपक्षी भारतीय गठबंधन की आलोचना कर रही है।

इस बीच, सिंधिया ने कहा कि मतदान सबसे बड़ा अधिकार है और मतदाता भगवान के समान हैं।

सिंधिया ने ग्वालियर में संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा की विकास की नीति, सुशासन के रिकॉर्ड और गरीबों का कल्याण सुनिश्चित करने के कारण मतदाताओं का आशीर्वाद भाजपा के साथ रहेगा। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में 7-30 नवंबर के बीच अलग-अलग दिनों में मतदान होगा।

आईओसी, रिलायंस ने भारत में ओलंपिक खेलों को बढ़ावा देने का करार किया

मुंबई/भाषा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी), ओलंपिक संग्रहालय और रिलायंस फाउंडेशन ने सोमवार को बच्चों के बीच खेल के माध्यम से ओलंपिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए एक समझौते की घोषणा की। इसकी शुरुआत मुंबई क्षेत्र से होगी और जल्द ही इसका विस्तार पूरे महाराष्ट्र में किया जायेगा।

इस समझौते के तहत चयनित स्कूलों में ग्रेड आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। इसमें खिलाड़ियों और छात्रों के बीच संवाद का आयोजन कर ओलंपिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता पर जोर दिया जायेगा।

आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा कि इस कार्यक्रम का अब तक दुनिया भर में प्रभाव रहा है और ओडिशा में अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन के साथ समझौता 'अभूतपूर्व ऊंचाइयों' तक पहुंच रहा है।

बाक ने रिलायंस फाउंडेशन के साथ समझौते के बारे में कहा, ''उनके पास पूरे महाराष्ट्र में एक करोड़ 75 लाख बच्चों तक पहुंचने की क्षमता है और ओडिशा में अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन के साथ हमारी क्षमता और 70 लाख बच्चों तक पहुंचने की है।''

उन्होंने कहा, ''इनमें से अधिकतर बच्चे समाज के वंचित वर्ग से आते हैं और उन्हें पहली बार खेल, खेल शिक्षा और ओलंपिक मूल्यों तक पहुंच मिली है।''

भाजपा ने मप्र के लिए 57 और उम्मीदवारों की घोषणा की, बुधनी से लड़ेंगे शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को 57 उम्मीदवारों की एक और सूची जारी कर दी। इस सूची में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का भी नाम है। चौहान को विदिशा जिले के बुधनी से उम्मीदवार बनाया गया है।

मध्य प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा ने इससे पहले तीन अलग-अलग सूचियों में 79 उम्मीदवारों की घोषणा की है और अब तक तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित कई सांसदों को उम्मीदवार बनाया है। इस प्रकार भाजपा ने अब तक राज्य की कुल 230 में से 136 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। राज्य सरकार में मंत्री नरोत्तम मिश्रा फिर से दतिया विधानसभा से किस्मत आजमाएंगे। विश्वास सारंग एक बार फिर नरेला से उम्मीदवार बनाए गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर की बहू कृष्णा गौर फिर से गोविंदपुरा से चुनाव लड़ेंगी। वरिष्ठ नेता जदगीश देवड़ा को मल्हारगढ़, अरविंद सिंह भदौरिया को अटेर, प्रद्युम्न सिंह तोमर को ग्वालियर, गोपाल भार्गव रेहली से और सागर से शैलेन्द्र जैन को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के आगामी चुनाव के लिए 17 नवंबर को मतदान होगा और मतों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

आयोग के मुताबिक मप्र चुनाव के लिए अधिसूचना 21 अक्टूबर को जारी होगी और नामांकन की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर होगी। नामांकन पत्रों की जांच 31 अक्टूबर को की जाएगी और नाम वापस लेने की अंतिम तारीख दो नवंबर होगी। 2018 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 230 सदस्यीय विधानसभा में 114 सीटें जीती थीं और गठबंधन सरकार बनाई थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस चुनाव में 109 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के कद्दावर नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में विधायकों के एक गुट के विद्रोह के चलते कमलनाथ अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके और मार्च 2020 में उनके नेतृत्व वाली सरकार गिर गई। सिंधिया गुट के विधायकों के समर्थन से बाद में भाजपा सत्ता में लौटी और शिवराज सिंह चौहान चौथी बार मुख्यमंत्री बने।

भाजपा ने छत्तीसगढ़ के लिए 64 और उम्मीदवारों की घोषणा की, रमन सिंह राजनांदगांव से लड़ेंगे चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 64 उम्मीदवारों की एक और सूची जारी कर दी। पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह को राजनांदगांव सीट से फिर से उम्मीदवार बनाया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा में 90 सीट हैं। भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए 21 सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा पहले ही कर दी थी। इनमें से अधिकांश पंचायत निकायों के प्रतिनिधि हैं, जो दर्शाता है कि पार्टी पुराने चेहरों की जगह दूसरे स्तर के नेताओं के साथ चुनावी लड़ाई के लिए कमर कस रही है।

पार्टी की ओर से जारी ताजा सूची के मुताबिक, पार्टी ने एक केंद्रीय मंत्री सहित तीन सांसदों को भी चुनाव मैदान में उतारा है। सरगुजा से सांसद व केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह को भरतपुर-सोनहत सीट से, रायगढ़ की सांसद गोमती साय को पत्थलगांव से और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिलासपुर से सांसद अरुण साव को लोरमी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णु देव को कुनकुरी से टिकट दिया है। पूर्व आईएएस अधिकारी ओ पी चौधरी को रायगढ़ से उम्मीदवार बनाया गया है। चंद्रपुर विधानसभा सीट से पार्टी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप सिंह जूदेव के परिवार की सदस्य संयोगिता सिंह जूदेव को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने किसी एक व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश किए बिना सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

छत्तीसगढ़ में दो चरणों में सात एवं 17 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। छत्तीसगढ़ में रमन सिंह के नेतृत्व में 15 साल तक राज्य की सत्ता पर काबिज रही भाजपा को 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा था।

सत्ता विरोधी लहर के अलावा, भ्रष्टाचार के आरोप, पार्टी संगठन और उसके नेतृत्व वाली सरकार के बीच समन्वय की कमी और अन्य पिछड़ा वर्ग द्वारा कांग्रेस के पक्ष में मतदान करना पांच साल पहले उसकी हार के कुछ प्रमुख कारणों में से एक माना गया था।

वर्ष 2018 के चुनाव में भाजपा ने संख्या के आधार पर प्रभावशाली अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साहू समुदाय से आने वाले 14 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था, लेकिन उनमें से 13 को हार का सामना करना पड़ा था।

दवाओं की खरीद प्रक्रिया को विकेंद्रीकृत किया जाना चाहिए: आदित्य ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। शिवसेना (यूटीबी) के नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को कहा कि सरकारी अस्पतालों के लिए दवाओं की खरीद की प्रक्रिया को विकेंद्रीकृत किया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि इस कार्य के लिए नियुक्त प्राधिकारी किसी के स्वार्थ के लिये काम नहीं करे।

वह यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का दौरा करने और डीन व अन्य अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।

छत्रपति संभाजीनगर (पूर्व में औरंगाबाद), नांदेड़ और नागपुर में सरकारी अस्पतालों में 30 सितंबर के बाद अल्प अवधि में कई मरीजों की मौत हो गई, जिससे शिवसेना (यूबीटी) और अन्य विपक्षी दलों ने कथित अक्षमता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए एकनाथ शिंदे सरकार की आलोचना की।

उन्होंने कहा, हम विधानसभा सत्र के दौरान इस मुद्दे (स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और मरीजों की मौत) को उठाएंगे।

साथ ही, दवाओं की खरीद के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है। यह भी देखा जाना चाहिए कि दवा खरीद के लिए नियुक्त प्राधिकारी किसी के स्वार्थ के लिये काम नहीं करे।

चंद्रशेखर राव एक बार फिर तेलंगाना के मुख्यमंत्री बनेंगे : ओवैसी

हैदराबाद/भाषा। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को उम्मीद जताई कि 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव एक बार फिर तेलंगाना की सत्ता में लौटेंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा तेलंगाना सहित पांच राज्यों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद ओवैसी ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी पहली बार राजस्थान में चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि इंशा अल्लाह (ईश्वर की इच्छा से) केसीआर फिर से तेलंगाना के मुख्यमंत्री बनेंगे। हमारी पार्टी के उम्मीदवार जिस भी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे, वहां सफल होंगे।'' हैदराबाद से लोकसभा के सदस्य ने कहा कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने पहले ही राजस्थान में तीन उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है और जल्द ही तेलंगाना में भी उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव के नतीजे एकतरफा बीआरएस के पक्ष में होंगे: रामाराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री के.टी. रामाराव ने सोमवार को उम्मीद जताई कि राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजे एकतरफा उनकी पार्टी के पक्ष में होंगे और के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे।

केटीआर के नाम से मशहूर रामाराव ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा कि जनता ने दो बार जिताया है और तीसरी बार जिताने के लिए तैयार है।

उन्होंने संदेश में कहा, तीन दिसंबर को घोषित होने वाले परिणाम में केसीआर को तीसरी बार जीत मिलेगी। एक सक्षम नेता की ताजपोशी के साथ यह दक्षिण भारत में एक नया अध्याय होगा। तेलंगाना में 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा और तीन दिसंबर को मतगणना होगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना में गांधीवादी सिद्धांत सर्वप्रिय है और गोडसे दर्शन के लिए कोई जगह नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस बार 100 से अधिक सीटें जीतकर पुराने रिकॉर्ड तोड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लड़ाई छोड़ चुकी है जबकि भारतीय जनता पार्टी ने लड़ाई शुरू होने से पहले ही छोड़ दी थी।

कोई असंवैधानिक फैसला लिए जाने पर ही उच्चमतम न्यायालय हस्तक्षेप करेगा: नार्वेकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सोमवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय विधायिका के किसी फैसले में तभी हस्तक्षेप करेगा, जब वह निर्णय असंवैधानिक हो या कानून को नजरअंदाज करता हो। नार्वेकर पिछले साल जून में उद्धव ठाकरे खेमा छोड़ने वाले शिवसेना विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय में दायर याचिकाओं पर यहां पत्रकारों के एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

पिछले साल जून में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में हुए विद्रोह के कारण पार्टी में विभाजन हो गया था और ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी सरकार गिर गई थी। शिंदे के नेतृत्व वाले गुट ने भाजपा के साथ मिलकर नई सरकार का गठन किया था।

पिछले साल शिंदे और 39 विधायकों के विद्रोह के बाद शिवसेना के दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों ने एक-दूसरे के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की थी।

नार्वेकर ने कहा, उच्चतम न्यायालय अपने समक्ष दायर याचिकाओं पर कार्रवाई करेगा। यदि कोई निर्णय असंवैधानिक है या यह कानून को दरकिनार करता है, तो ही उच्चतम न्यायालय हस्तक्षेप करेगा। अन्यथा, उच्चतम न्यायालय अन्य संस्थानों के कामकाज में हस्तक्षेप नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका तीन संस्थाएं हैं, जो एक-दूसरे के बराबर हैं। उन्होंने कहा, 'कोई किसी दूसरे के कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करता, इसे संवैधानिक अनुशासन कहा जाता है।'

बीआरएस तेलंगाना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए तैयार : के. कविता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। निर्वाचन आयोग की ओर से तेलंगाना में विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान करने के बाद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से विधान परिषद की सदस्य और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता ने सोमवार को कहा कि पार्टी तेलंगाना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर मजबूत करने के लिए तैयार है।

आयोग ने कहा है कि तेलंगाना में 30 नवंबर को चुनाव होंगे और तीन दिसंबर को मतगणना होगी। इसी के साथ आयोग ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम के लिए भी विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है।

कविता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, हम एक बार फिर तेलंगाना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए तैयार हैं। तेलंगाना में राव के नेतृत्व वाली सरकार तीसरी बार सत्ता में लौटने की कोशिश में है।

एसबीआई से हरित पहल के लिए कर्ज लेने पर मिलेगी विशेष छूट: चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) कर्ज लेने वालों के लिए जोखिम स्तर के आकलन पर काम कर रहा है, जहां वह हरित पहल के लिए विशेष छूट देता है।

बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा ने सोमवार को यहां यह बात कही। उन्होंने कहा कि बैंक जलवायु जोखिमों को कम करने और टिकाऊ वित्तपोषण के लिए अपने 33 लाख करोड़ रुपये के पोर्टफोलियो के कार्बन पदचिह्न को माप रहा है।

चेयरमैन ने यहां उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम में कहा, ''बैंक स्तर पर हमने अपने कर्जदारों के जोखिम के उस स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है, जहां हम हरित पहल के लिए कुछ विशेष छूट देते हैं।' उन्होंने हालांकि इस बारे में विस्तार से नहीं बताया।

गौरतलब है कि खारा कंपनियों द्वारा पर्यावरण को बचाने के झूठे वादों (ग्रीन-वॉशिंग) के खिलाफ चेतावनी देते रहे हैं।

उन्होंने हरित वित्त के लिए बेहतर परियोजना रिपोर्ट का आह्वान किया ताकि हरित वित्त क्षेत्र को प्रभावित करने वाली सूचना विषमता को कम किया जा सके।

उन्होंने हरित वित्त पारिस्थितिकी तंत्र पर जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक नीति ढांचे की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

खारा ने इस संबंध में चार्टर्ड अकाउंटेंट समुदाय से कुछ लेखा मानक तैयार करने को कहा, जो कॉरपोरेट को हरित पहल और उनके नतीजों से संबंधित वार्षिक आंकड़े रखने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हरित बॉन्ड बाजार को मजबूत करने की जरूरत है।

इजराइल के हाइफा बंदरगाह पर सभी कर्मचारी सुरक्षित: अडाणी पोर्ट्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड ने सोमवार को कहा कि इजराइल में स्थित हाइफा बंदरगाह पर तैनात उसके कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं और सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं।

अडाणी पोर्ट्स ने बयान में कहा कि वह हाइफा बंदरगाह को लेकर पूरी तरह सतर्क है और किसी भी विपरीत स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए फलस्तीन के गाजा पट्टी इलाके पर नियंत्रण रखने वाले समूह हमास ने इजरायल के दक्षिणी इलाकों पर शनिवार को जमीनी एवं हवाई हमले कर दिए। इसके बाद से ही समूचे इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

adani Ports and Logistics

उसने कारोबार को निरंतर जारी रखने की योजना तैयार कर ली है।

कंपनी ने साल की शुरुआत में ही इस रणनीतिक महत्व वाले बंदरगाह का 1.2 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया था। कंपनी ने कहा, ''हम जमीनी हालात पर नजदीकी निगाह बनाए हुए हैं। वहां का घटनाक्रम दक्षिणी इजरायल में हो रहा है जबकि हाइफा बंदरगाह उत्तरी इलाके में स्थित है।''

अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड ने बयान में कहा, ''हमने अपने कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं और वे सभी सुरक्षित हैं।''

बयान के मुताबिक, अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के कुल कारोबार में हाइफा बंदरगाह की हिस्सेदारी महज तीन प्रतिशत ही है। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में कंपनी का कुल लदान 20.3 करोड़ टन था जिसमें हाइफा की हिस्सेदारी 60 लाख टन रही। इसके साथ ही कंपनी ने अपना कारोबारी प्रदर्शन कायम रहने को लेकर पूरा भरोसा जताया है।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से 10 लोगों की मौत, 14 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरियालुर। तमिलनाडु के अरियालुर जिले के वेत्रियूर गांव में सोमवार को दुखद घटना में एक देशी पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हुए विस्फोट में तीन महिलाओं सहित 10 श्रमिकों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि सोमवार सुबह आग लगने से सिलसिलेवार विस्फोट हुए, जिससे कई गोदाम और शेड नष्ट हो गए। वहां देशी पटाखों और अत्यधिक ज्वलनशील रसायनों का भारी भंडार जमा था।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि रसायनों को संभालने के दौरान घर्षण के कारण विस्फोट हुआ, जिसके परिणामस्वरूप भीषण आग लग गई। आग में जलने के कारण शव इतने क्षत-विक्षत हो चुके थे कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो रहा था। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायलों को अरियालुर और तंजावुर के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग में एक टेम्पो ट्रैवलर और दोपहिया वाहनों सहित कई वाहन नष्ट हो गए।

अरियालुर जिला कलेक्टर जे.ऐनी मैरी स्वर्णा और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फैक्ट्री के मालिक राजेंद्रन की तलाश कर रही है, जो फरार है। पुलिस यह पता लगाने के लिए भी जांच कर रही है कि क्या सुरक्षा नियमों का कोई उल्लंघन हुआ था। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि पांच घायल लोगों को तंजावुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उन्हें विशेष चिकित्सा देखभाल दी गई है। स्टालिन ने कहा कि उन्होंने बचाव और राहत गतिविधियों में तेजी लाने के लिए मंत्रिमंडल में अपने सहयोगी एस एस शिवशंकर और सीवी गणेशन को तैनात किया है। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिवार को तीन-तीन लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को एक लाख रुपये और सामान्य रूप से घायल हुए लोगों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। पिछले तीन महीनों में तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में यह चौथा विस्फोट हुआ है। अरियालुर में विस्फोट कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा के पास अत्तीबेले में हुए एक बड़े विस्फोट के बाद हुआ है, जिसमें 14 लोग मारे गए थे।

जुलाई में कृष्णागिरी जिले में एक आतिशबाजी गोदाम में नौ लोगों की मौत हो गई थी और सितंबर में नागपट्टिनम जिले में एक विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन घायल हो गए थे। सितंबर के अंतिम सप्ताह के दौरान तमिलनाडु के मयिलादुथुराई जिले में एक पटाखा इकाई में विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

इसरो इस महीने गगनयान के पहले बड़े मिशन पर रवाना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) इस महीने के अंत में श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष बंदरगाह से गगनयान के पहले बड़े मिशन पर रवाना होगा। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के निदेशक डॉ. एस. उन्नीकृष्णन नायर ने सोमवार को यह जानकारी दी।

डा. उन्नीकृष्णन ने इसरो में आईआईटी-मद्रास के 12 पूर्व छात्रों को सम्मानित करते हुए ओवर द मून विद टीम चंद्रयान -3' नामक एक कार्यक्रम के दौरान आईआईटी-मद्रास के छात्रों और सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा,इस महीने, हम श्रीहरिकोटा से गगनयान का पहला बड़ा मिशन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा,हम इन-फ्लाइट सिस्टम का प्रदर्शन करने जा रहे हैं। मानवयुक्त मिशनों में, यह मिशन की सफलता नहीं है, बल्कि चालक दल की सुरक्षा मायने रखती है।

उन्होंने कहा,हम परीक्षण कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि एस्केप सिस्टम को बहुत उच्च विश्वसनीयता मिली है। टी एस्केप सिस्टम को ट्रांसोनिक स्थितियों में सक्रिय किया जाएगा, जो कि मैक 1.2 है और हम प्रदर्शित करेंगे कि चालक दल को कैसे बचाया जाएगा।

उन्होंने कहा,हम सभी उस मिशन का इंतजार कर रहे हैं। भविष्य में कई रोमांचक मिशन हैं। डॉ. उन्नीकृष्णन ने कहा, पिछले एक साल में, भारत ने कई मिशन लॉन्च किए हैं। असफलताएँ भी आईं और हम असफलताओं से बाहर भी आ गए लेकिन कुछ अनूठे मिशन भी थे। हमने इन्फ्लेटेबल सिस्टम का उपयोग करने के बारे में सोचा। क्या हम किसी सिस्टम को फुलाकर और उसके वेग को सुपरसोनिक स्थितियों से सब-सोनिक स्थितियों में कम करके किसी विमान या रॉकेट के हिस्से की गति को कम कर सकते हैं , ताकि हम स्टेज को ठीक कर सकें और लागत कम कर सकें।

तमिलनाडु विधानसभा ने कर्नाटक से कावेरी का पानी मांगने के प्रस्ताव को मंजूरी दी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा ने सोमवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें केंद्र से आग्रह किया गया कि वह कर्नाटक को उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार राज्य के लिए कावेरी नदी से पानी छोड़ने का निर्देश दे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों के सदन से बहिर्गमन करने के बाद विधानसभा अध्यक्ष एम. अप्पावु ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव के पारित होने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने प्रस्ताव पेश किया और कहा कि कर्नाटक ने ''कृत्रिम संकट'' पैदा किया है और उसने शीर्ष अदालत के निर्देश के अनुसार नदी से पानी नहीं छोड़ा है। विपक्ष के नेता एडाप्पडी के. पलानीस्वामी और स्टालिन के नेतृत्व वाले सत्तापक्ष के बीच जबरदस्त बहस के बाद प्रस्ताव पारित किया गया। अखिल भारतीय अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) ने हालांकि प्रस्ताव का समर्थन किया।

पलानीस्वामी ने अंतरराज्यीय विवाद पर अन्नाद्रमुक के शासन के दौरान की गई विभिन्न पहलों को याद किया और कहा कि मामले को लेकर केंद्र पर पर्याप्त दबाव बनाना चाहिए। उन्होंने कुछ पहले की उन घटनाओं का जिक्र किया कि कैसे उनकी पार्टी ने इस मुद्दे को लेकर कई दिनों तक संसद की कार्यवाही बाधित की थी।

भाजपा ने कहा कि प्रस्ताव का उद्देश्य कावेरी विवाद का समग्र और पूर्ण समाधान करना नहीं है और सरकार ने प्रस्ताव में प्रस्तावित संशोधनों को शामिल करने पर कोई आश्वासन नहीं दिया है। इसके बाद भाजपा विधायक सदन से बहिर्गमन कर गए। संशोधनों में नदियों का राष्ट्रीयकरण शामिल है और केंद्र के बांध सुरक्षा विधेयक का समर्थन किया गया है।

तमिलनाडु ने इज़रायली प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हमास और इजराइल के बीच चल रही झड़पों के मद्देनजर तमिलनाडु सरकार ने इजराइली प्रतिष्ठानों और यहूदी बस्तियों में सुरक्षा बढ़ाई। तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक शंकर जिवाल ने मीडियाकर्मियों को बताया कि डिंडीगुल के पास पहाड़ियों में एक यहूदी बस्ती और राज्य में अन्य इजरायली प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

इजरायली पर्यटक हर साल सितंबर से फरवरी के दौरान कोडाइकनाल के करीब एक बस्ती वट्टाकनाल का दौरा करते हैं और पुलिस इस क्षेत्र में अधिक सुरक्षा प्रदान करेगी। मौजूदा स्थिति को देखते हुए इलाके में पहले से ही सुरक्षा बढ़ा दी गई है। राज्य में इजरायली व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस हाल के दिनों में चेन्नई और राज्य के अन्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर उतरे इजरायली नागरिकों की संख्या का पता लगाने और सुरक्षा इंतजाम के तहत उनके स्थानों को ट्रैक करने के लिए आव्रजन अधिकारियों के संपर्क में है। सूत्रों ने यह भी कहा कि अन्य देशों में इजरायलियों पर संभावित हमले की रिपोर्ट के बाद इजरायली व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आवाजाही को प्रतिबंधित करते हुए पहुंच नियंत्रण उपाय लागू किए गए हैं।

नायडू के खिलाफ मेरे मन में कोई द्वेष नहीं है : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी से उनका कोई लेना-देना नहीं है और उनके मन में नायडू के खिलाफ कोई द्वेष नहीं है। रेड्डी ने दावा किया कि केंद्रीय जांच एजेंसियों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर (आईटी) विभाग ने पूर्व मुख्यमंत्री नायडू के खिलाफ आरोपों की जांच की और बाद में गिरफ्तारी की। उन्होंने कहा कि आईटी विभाग ने उन्हें (तेदेपा प्रमुख को) नोटिस भी भेजा था।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेताओं की एक बैठक में उन्होंने कहा, प्रतिशोध के कारण किसी ने चंद्रबाबू नायडू को गिरफ्तार नहीं किया। मेरे मन में नायडू के खिलाफ कोई द्वेष नहीं है। मेरा गिरफ्तारी से कोई लेना-देना नहीं है। यह (गिरफ्तारी) उस समय की गई जब मैं भारत में नहीं था। इसके अलावा, रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद नायडू के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे।

उन्होंने कहा कि जब नायडू मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने सीबीआई, ईडी और आईटी विभाग को राज्य में प्रवेश करने से रोक दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सबके बावजूद कुछ मीडिया घराने और लोगों का एक वर्ग मांग कर रहा है कि नायडू से न तो पूछताछ की जानी चाहिए और न ही उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

नायडू फिलहाल कौशल विकास निगम के धन के कथित दुरुपयोग मामले में राजामहेंद्रवरम केंद्रीय जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। आरोप है कि इस कथित घोटाले में राज्य के खजाने को 300 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ।

अंबत्तूर के सफाई कर्मचारी की चेन्नई में नौकरियों को नियमित करने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) के तहत ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन (जीसीसी) के सफाई कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें सप्ताह में सातों दिन काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। इस संबंध में एक याचिका शुक्रवार को कोराडूर में मक्कलाई थेडी मेयर कार्यक्रम के दौरान मेयर आर प्रिया को सौंपी गई। एनयूएलएम के तहत अंबत्तूर क्षेत्र में 1,300 से अधिक सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। वसंती (बदला हुआ नाम) ने दावा किया कि इस साल अब तक उसने काम से केवल दो दिन की छुट्टी ली है। उन्होंने कहा कि मैं 12 वर्षों से स्वच्छता कर्मचारी के रूप में काम कर रहा हूं। काफी संघर्ष के बाद दो महीने पहले हमारा वेतन संशोधित हुआ, लेकिन कोई साप्ताहिक अवकाश नहीं है। हम चाहते हैं कि हमारा काम नियमित हो जाए।

राज्य सरकार ने स्थानीय निकायों में स्वच्छता कार्य को आउटसोर्स करने और कोई नया स्थायी पद सृजित नहीं करने का नीतिगत निर्णय लिया है।

दुर्गा उत्सव के लिए विभिन्न मंडल की तैयारियां जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेमोरियल ट्रस्ट और बिहार एसोसिएशन के तत्वावधान में अपना 49 वां दुर्गा पूजा महोत्सव 15 अक्टूबर से मनाने जा रही है। बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष एसके धीर एवं सचिव मुकेश ठाकुर ने बताया कि दुर्गा पूजा महोत्सव 15 अक्टूबर को सुबह10 बजे कलश स्थापना से शुरू होगी जो आगामी 23 अक्टूबर सोमवार तक विधिवत चलेगी। कलश स्थापना के अवसर पर तमिलनाडु सरकार में अतिरिक्त सचिव (श्रम एवं कल्याण विभाग) के कुमार जयंत आइएएस बतौर मुख्य अतिथि होंगे।

उत्तर चेन्नई के तंडियारपेट अय्यप्पा स्वामी मंदिर के प्रांगण में भी दुर्गा पूजा महोत्सव मनाई जा रही है जहां पिछले 17 सालों से दुर्गा पूजा विधिवत हो रही है। यहाँ कलश स्थापना के बाद प्रतिदिन सुबह हो शाम पूजा और आरती की जाएगी एवं सुंदरकांड पाठ एवं अन्य धार्मिक आयोजन किए जाएंगे।

एमकेवी नगर मीनम्माल स्ट्रीट एसके महल में भी पिछले दो दशक से दुर्गा पूजा की रही है इस बार भी यहां धार्मिक एवं कई सांस्कृतिक आयोजन किया गया है। हिंदी बहुल माधवरम के राजाजी स्ट्रीट में भी मां शारदीय नवरात्र की तैयारी जोरों पर है। यहां माधवरम दुर्गा पूजा समिति आगामी 23 अक्टूबर को राज- राजेश्वरी कल्याण मंडपम में अखंड जागरण का आयोजन करने जा रही है।

चेन्नई के मशहूर भजन गायक पंकज सिंह (तुलसी मानसी) एवं कुमारी नंदिनी सिंह अपने बेहतरीन प्रस्तुति देंगे।

इसके अलावा वेपेरी, तिरुमंगलम, बेसेन्ट नगर, टीनगर, आदि में भी पश्चिम बंगाल झारखंड के प्रवासी दुर्गा पूजा की तैयारी में जुटे हुए हैं।

उल्लेखनीय है की दुर्गा पूजा के प्रतिमा टी नगर स्थित ठक्कर बापा स्ट्रीट में बनाई जा रही है। मूर्तिकार प्रतिमा को अंतिम रूप देने में लगे हैं जिसे चेन्नई सहित आसपास के जिलों में भी आगामी 15 अक्टूबर को स्थापित की जाएगी मूर्ति विसर्जन 24 अक्टूबर को दोपहर तक कर दी जाएगी।

लंबे इंतजार के बाद बेंगलूरु मेट्रो की पर्पल लाइन पूरी तरह शुरू

बेंगलूरु। लंबे इंतजार के बाद बेंगलूरु की पर्पल लाइन कृष्णराजपुरम-बैयप्पनहल्ली और केंगेरी-चल्लाघट्टा के बीच मेट्रो शुरू हो चुकी है। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने रविवार को कृष्णराजपुरम और बैयप्पनहल्ली के बीच दो खंडों और केंगेरी से आगे चल्लघट्टा तक मेट्रो रेल सेवाओं के संचालन की घोषणा की। बीएमआरसीएल ने एक बयान में कहा, इन दो खंडों के खुलने के साथ, पूरा ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर, व्हाइटफील्ड (काडुगुडी) से चल्लाघट्टा तक पर्पल लाइन पर 37 मेट्रो स्टेशनों के साथ कुल लम्बाई 43.49 किलोमीटर के सा थ मेट्रो ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। बीएमआरसीएल का परिचालन नेटवर्क कुल 69.66 किलोमीटर से बढ़कर अब 73.81 किलोमीटर हो गया है जिसमें 66 मेट्रो स्टेशन शामिल है। काडुगुड़ी से चल्लघट्टा तक के लिए सीधी सेवा की तैयारियां हो चुकी थी।

जेल में बंद सेंथिल बालाजी अस्पताल में भर्ती

चेन्नई। नौकरी के बदले नकदी घोटाले से संबंधित एक मामले में पुझल केंद्रीय जेल में बंद तमिलनाडु के बिना विभाग के मंत्री सेंथिल बालाजी को सीने में दर्द की शिकायत के बाद सरकारी स्टेनली मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें सोमवार सुबह अस्पताल लाया गया जब जेल अस्पताल ने पाया कि उनका ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ है और उन्हें सीने में दर्द हो रहा है।

मंत्री को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जून में गिरफ्तार किया था और उन्होंने सीने में दर्द की शिकायत की थी। चेन्नई के ओमांदुर सरकारी अस्पताल में एक एंजियोग्राम किया गया जिसमें उनकी कोरोनरी धमनी में तीन ब्लॉक का पता चला।

हालांकि, मंत्री ने अपनी सर्जरी एक निजी अस्पताल में कराने का अनुरोध करते हुए मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया था, जिसे अदालत ने अनुमति दे दी। चेन्नई के कावेरी अस्पताल में सर्जरी करने के बाद, उन्हें पुझल केंद्रीय जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, मंत्री को पैर सुन्न होने की भी शिकायत थी और उन्होंने कहा था कि वह ज्यादा देर तक बैठ नहीं पाते हैं।

स्टार्क, वार्नर और कोहली ने तोड़े कई रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मिशेल स्टार्क ने गेंदबाजी में क्रिकेट विश्व कप का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जबकि डेविड वार्नर और विराट कोहली भी ऑस्ट्रेलिया और भारत के मुकाबले में महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचे। भारत के खिलाफ रविवार को खेले गये मैच में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में सबसे तेज 50 विकेट तक पहुंचने वाले गेंदबाज बन गए। स्टार्क ने भारत के सलामी बल्लेबाज इशान किशन को गोल्डन डक पर आउट करके छह पारियों में विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होनेण्, क्रिकेट विश्व कप में 19 पारियों में 50 विकेट हासिल किए और लसिथ मलिंगा के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीलंका के तेज गेंदबाज ने क्रिकेट विश्व कप में 50 विकेट तक पहुंचने के लिए 25 पारियां लीं, जबकि ग्लेन मैकग्राथ और श्रीलंका के स्पिनर मुथैया मुरलीधरन 30 पारियों में यह आंकड़ा छूने वाले दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। 2019 में 10 मैचों में 27 विकेट लेने के बाद स्टार्क ने क्रिकेट विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है।

स्टार्क के रिकॉर्ड को खतरे में डालने वाले मौजूदा गेंदबाजों में मोहम्मद शमी सर्वश्रेष्ठ स्थान पर हैं, भारत के तेज गेंदबाज ने 11 क्रिकेट विश्व कप मैचों में 31 विकेट लिए हैं। 33 वर्षीय खिलाड़ी को क्रिकेट विश्व कप 2023 के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए भारत की टीम से बाहर रखा गया था, लेकिन टूर्नामेंट के आगे बढ़ने के साथ उन्हें आगे के अवसरों की उम्मीद होगी।

ऑस्ट्रेलिया ने एक और कीर्तिमान हासिल किया जब वार्नर केवल 19 पारियों में क्रिकेट विश्व कप में सबसे तेज़ एक हजार रन तक पहुंचने वाले खिलाड़ी बन गए। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने क्रिकेट विश्व कप में एक हजार रन बनाए। उन्होने शुरुआती मैच में 41 रन बनाए, लेकिन भारत से अपनी हार को रोकने में असमर्थ रहे। वार्नर ने भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डिविलियर्स से ज्यादा तेजी से रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। दोनों ने क्रिकेट विश्व कप में एक हजार रन तक पहुँचने के लिए 20 पारियाँ ली थीं। 1992 से 2011 के बीच छह क्रिकेट विश्व कप में 45 मैचों में 2,278 रन के साथ तेंदुलकर के पास अभी भी शोपीस इवेंट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड है। 2015 के बाद से तीन क्रिकेट विश्व कप में भाग लेने के बाद वार्नर के पास अब कुल 1,033 रन हैं।

भारत 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान से खेलेगा तो रोहित शर्मा वार्नर के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं, सलामी बल्लेबाज वर्तमान में क्रिकेट विश्व कप में 18 पारियों में एक हजार रन से 22 रन पीछे हैं। जोश हेज़लवुड की गेंद पर शून्य पर आउट होने के बाद भारत के कप्तान ऑस्ट्रेलिया पर जीत में अपने करियर की संख्या में इजाफा करने में असफल रहे।

विराट कोहली (85) ने केएल राहुल (नाबाद 97) के साथ मिलकर भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 200 रनों के मामूली लक्ष्य तक पहुंचाया, क्योंकि सुपरस्टार क्रिकेट विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में शीर्ष - 10 में पहुंच गए। 34 वर्षीय खिलाड़ी के अब 50 ओवर के टूनामेंट में 1,115 रन हैं और वह इस साल के आयोजन में चौथे स्थान पर पहुंच सकते हैं और वेस्टइंडीज के महान ब्रायन लारा से आगे निकलने के लिए 111 रन की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली की पारी में यह भी देखा गया कि चेस मास्टर ने एकदिवसीय मैचों में कुल 5,517 के साथ सफल लक्ष्य में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत में तीन बार शून्य पर आउट होने का दावा किया, जिससे मेजबान टीम 2/3 पर सिमट गई, यह पहली बार है कि भारत ने अपने सभी 1,042 एकदिवसीय मैचों में अपने शीर्ष चार बल्लेबाजों में से कई को बिना स्कोर किए खो दिया है। इसके बाद कोहली और राहुल ने 165 रन की साझेदारी करके भारत को बचाया जो अब क्रिकेट विश्व कप में चौथे या उससे कम विकेट के लिए भारत की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

राहुल की वापसी से स्थिरता मिली : म्हाम्ब्रे

चेन्नई। भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप के पहले मैच में भारत की जीत के सूत्रधार विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल की वापसी से मध्यक्रम को मजबूती मिली है। राहुल ने नाबाद 97 रन बनाये जिसकी मदद से भारत ने जीत दर्ज की। पांचवें नंबर पर उतरे राहुल को तीसरे ही ओवर में आना पड़ा चूंकि आस्ट्रेलिया ने दो ओवर के भीतर दो रन पर भारत के तीन रन निकाल दिये थे। राहुल ने विराट कोहली (85) के साथ 165 रन की साझेदारी की। म्हाम्ब्रे ने कहा, ''हमें हमेशा से पता था कि राहुल कितना शानदार बल्लेबाज है, खासकर बीच के ओवरों में। हमें ऐसा खिलाड़ी चाहिये जो स्पिन को बखूबी खेल सके। इससे टीम को स्थिरता और आत्मविश्वास मिलता है।'' म्हाम्ब्रे ने कहा कि भारतीय स्पिनरों ने आक्रमण को विविधता दी है। उन्होंने कहा, ''यही इस खेल की खूबसूरती है। टीम संयोजन में आपको विविधता चाहिये। हमारे सभी स्पिनर अलग अलग शैली के हैं और उनके पास विविधता है।''

दक्षिण रेलवे

चेन्नई मंडल
ईएनएचएम विंग
यांत्रिक शाखा
आईआरईपीएस निविदा सं.
एसआर-एमएएस842023

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक/यांत्रिक शाखा/चेन्नई मंडल, चेन्नई - 600 003 आईआरईपीएस पोर्टल: **https://ireps.gov.in** में दी गई निविदा सूचना के अनुसार निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। चेन्नई मंडल के विभिन्न स्टेशनों और कॉलोनियों में ऑर्गेनिक कम्पोस्टर की आपूर्ति एवं संस्थापन हेतु ई-निविदा के लिए आवेदन करने के इच्छुक निविदाकार (ओं)/ठेकेदार (ओं) को ई-निविदा पोर्टल में नामांकन करवाना अपेक्षित है तथा केवल ऑनलाइन निविदाएं स्वीकार की जाएंगी।

आईआरईपीएस बोली सं. **एसआर-एमएएस 842023; विवरण:** चेन्नई मंडल, दक्षिण रेलवे के विभिन्न स्टेशनों और कॉलोनियों में ऑर्गेनिक कम्पोस्टर की आपूर्ति एवं संस्थापन; **स्थान:** बोली दस्तावेज के अनुसार चेन्नई मंडल के विभिन्न स्टेशन और कॉलोनियां; **लागत (₹ में): 1,39,37,743.91/-**; पूर्णता अवधि: **180 दिन।**

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: **26.10.2023 को 12.00 बजे;** निविदा खुलने की तिथि एवं समय: **26.10.2023 को 12.30 बजे।** निविदा की लागत, निविदा शर्त संबंधी ब्योरे ई-पोर्टल **https://ireps.gov.in** में दिये गये हैं। विस्तृत ब्योरे के लिए कृपया वेब पोर्टल को देखें।

हमें फॉलो करें: twitter.com/GMSRailway

संबोधन

जयपुर में सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित भाजपा के नेता।

राजस्थान विधानसभा चुनाव

भाजपा ने 41 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, सात सांसदों के नाम शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए अपने 41 प्रत्याशियों की पहली सूची सोमवार को जारी की जिसमें सात मौजूदा सांसदों के नाम भी हैं। इनमें से छह लोकसभा के, जबकि एक राज्यसभा का सदस्य है।

पार्टी ने जिन सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारने की घोषणा की है उनमें लोकसभा सदस्य नरेंद्र कुमार (मंडावा), दिया कुमारी (विद्याधर नगर), राज्यवर्धन राठौड़ (झोटवाड़ा), भागीरथ चौधरी (किशनगढ़), देवजी पटेल (सांचौर) एवं बालक नाथ (तिजारा) तथा राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा (सवाई माधोपुर) शामिल हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से नई दिल्ली में यह सूची जारी गई। प्रदेश की विद्याधर नगर सीट से मौजूदा भाजपा विधायक नरपत सिंह राजवी का नाम इस सूची में शामिल नहीं है ।

पार्टी ने गुर्जर आंदोलन के अगुवा रहे किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैंसला को देवली उनियारा से उम्मीदवार बनाया है। इसी तरह पार्टी ने कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया को लक्ष्मणगढ़ से उम्मीदवार बनाया गया है जबकि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी चंद्रमोहन मीणा को बस्सी से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी की पहली सूची में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित छह सीटों, अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित दस सीटों एवं 25 सामान्य सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। राज्य में कुल 200 सीटें हैं। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को नई दिल्ली में पांच राज्यों में 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके अनुसार, राजस्थान राज्य की सभी 200 विधानसभा सीटों के लिए 23 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

चुनाव में इन 15 सीट पर रहेगी सभी की नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को घोषित किये गए (चुनाव) कार्यक्रम के अनुसार मतदान 23 नवंबर को और मतगणना तीन दिसंबर को होगी। राज्य विधानसभा की कुल 200 सीट में इन 15 सीट पर मुख्य रूप से सभी की नजर रहेगी:

विधानसभा चुनाव

1. सरदारपुरा: जोधपुर जिले में कांग्रेस का गढ़ कही जाने वाली सरदारपुरा सीट पर 1999 से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार जीत रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में उन्हें 63 फीसदी वोट मिले थे।

2. झालरापाटन: झालावाड़ जिले में भाजपा के इस गढ़ का प्रतिनिधित्व 2003 से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे कर रही हैं। राजे ने पिछले चुनाव में यहां पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह के बेटे मानवेंद्र सिंह जसोल को लगभग 35,000 मतों के अंतर से हराया था।

3. टोंक: राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व को चुनौती दे रहे कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने 2018 में यह सीट जीती थी। इस विधानसभा क्षेत्र में गुर्जर, अनुसूचित जाति और मुस्लिम मतदाताओं का अनुपात अधिक है।

4. लक्ष्मणगढ़: भाजपा इस सीट पर सिर्फ एक बार 2003 में जीती है। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा 2008 से इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

5. झुंझुनू: जाट नेता शीशराम ओला ने तीन बार इस सीट का प्रतिनिधित्व किया, और उनके बेटे बृजेंद्र ओला 2008 से यहां जीत रहे हैं। राजस्थान के पहले विधानसभा अध्यक्ष नरोत्तम लाल (कांग्रेस) यहीं से थे। विधानसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा सिंह यहां से छह बार निर्वाचित हुईं, जिनमें से चार बार उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की।

6. चुरू: राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने 1990 के बाद भाजपा के इस गढ़ का छह बार प्रतिनिधित्व किया है। कांग्रेस नेता डोटासरा का दावा है कि इस निर्वाचन क्षेत्र में जनता का मिजाज बदल गया है, और उन्होंने राठौड़ को चुनौती दी है कि वे यहां से फिर चुनाव लड़ें।

7. उदयपुरवाटी: हाल ही में अशोक गहलोत मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए गए राजेंद्र गुढ़ा ने 2008 और 2018 में बसपा के टिकट पर यह सीट जीती थी, लेकिन दोनों ही बार वह कांग्रेस में चले गए। गुढ़ा का दावा है कि उनके पास गहलोत के 'भ्रष्टाचार के विवरण वाली लाल डायरी' है। गुढ़ा हाल में एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना में शामिल हो गए।

8. कोटा उत्तर: 1993 से यह सीट बारी-बारी से भाजपा और कांग्रेस जीतती रही है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 2003 में इस सीट पर जीत दर्ज की थी। राजस्थान के मंत्री और वर्तमान विधायक शांति धारीवाल इस निर्वाचन क्षेत्र से हैं, और वह चाहते हैं कि इस बार उनके बेटे को यहां से कांग्रेस का टिकट दिया जाए।

9. अंता: राजस्थान के खान मंत्री प्रमोद जैन भाया इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। लेकिन अगर कांग्रेस ने उन्हें फिर से प्रत्याशी बनाया तो उन्हें अपनी ही पार्टी के भरत सिंह कुंदनपुर से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

10. उदयपुर: गुलाब चंद कटारिया इस साल की शुरुआत में असम के राज्यपाल नियुक्त किए गए, जिससे यह सीट खाली हुई। कटारिया छह बार यहां से विधायक रहे। ऐसी अटकलें हैं कि भाजपा अब यहां पूर्व मेवाड़ राजपरिवार के किसी सदस्य को चुनाव मैदान में उतार सकती है।

11. खाजूवाला: चर्चा है कि इस सीट पर दलित नेता और राजस्थान के मंत्री गोविंद राम मेघवाल तथा केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के बीच मुकाबला हो सकता है।

12. पोकरण: यहां अक्सर चुनाव धार्मिक आधार पर लड़े जाते हैं। मुस्लिम धर्मगुरु गाजी फकीर के बेटे सालेह मोहम्मद ने 2018 में हिंदू संत और भाजपा उम्मीदवार प्रताप पुरी को हराया था। दोनों का एक दूसरे से फिर से आमना-सामना होने की संभावना है।

13. बीकानेर पश्चिम: शिक्षा मंत्री बी डी कल्ला इस सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री गहलोत के ओएसडी (विशेष अधिकारी) लोकेश शर्मा लगातार दौरा कर रहे हैं और पार्टी के टिकट के दावेदार हो सकते हैं।

14. खींवसर: राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के प्रमुख और सांसद हनुमान बेनीवाल जाटों के गढ़ नागौर में स्थित इस सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। वहीं, कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुईं नागौर की पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा को उनके खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है।

15. ओसियां: सचिन पायलट समर्थक दिव्या मदेरणा यहां से पहली बार की कांग्रेस विधायक हैं। लेकिन आरएलपी के बेनीवाल यहां कई रैली कर चुके हैं और उनकी पार्टी उनके लिए चुनौती खड़ी कर सकती है।

'भ्रष्टाचार, पेपर लीक जैसे मुद्दों के साथ कांग्रेस के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरेगी भाजपा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा नेताओं ने सोमवार को कहा कि पार्टी राजस्थान में भ्रष्टाचार, पेपर लीक जैसे मुद्दों के साथ कांग्रेस के खिलाफ चुनावी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि चुनाव की घोषणा होने पर पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित है और मिठाइयां बांट रहे हैं। वहीं, उपनेता प्रतिपक्ष और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा और केंद्र सरकार का काम भाजपा को बढ़त देगा और पार्टी का संगठन जमीन पर मजबूत है, जिससे पार्टी प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करेगी।

राजस्थान की सभी 200 विधानसभा सीटों के लिए 23 नवंबर को मतदान होगा और वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद राठौड़ ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'भाजपा चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। झूठ के आधार पर बनी कांग्रेस सरकार का अंत होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जनता के पैसे से खुद को चमकाने के अलावा कुछ नहीं किया। सतीश पूनिया ने कहा कि 'मोदी का चेहरा और काम पार्टी को चुनाव में बढ़त दिलाएगा।' उन्होंने कहा कि 'पार्टी का संगठन जमीनी स्तर पर मजबूत है। भाजपा प्रचंड बहुमत से जीतेगी।कांग्रेस को ईवीएम पर जनता की नाराजगी का असर झेलना पड़ेगा।' पूनिया ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के खिलाफ भ्रष्टाचार, पेपर लीक, तुष्टिकरण प्रमुख चुनावी मुद्दे हैं।

राजस्थान में आचार संहिता लागू, तबादलों व नियुक्तियों पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही राजस्थान में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है और इसके साथ ही अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादलों पर रोक लग गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने सोमवार को यहां मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता भी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। आचार संहिता लागू होने के साथ ही राज्य में स्थानान्तरण एवं नियुक्तियों पर रोक लग गई है। अति आवश्यक होने पर राज्य सरकार निर्वाचन आयोग से मंजूरी लेने के बाद ही चुनाव से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्थानान्तरित कर सकेगी।

उन्होंने कहा कि घोषित कार्यक्रम के अनुसार राज्य की सभी दो सौ सीटों के लिए आगामी 23 नवबंर को मतदान होगा तथा तीन दिसंबर को मतगणना होगी। राज्य में कुल 5 करोड़ 27 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन दाखिल करने का काम शुरू हो जाएगा। राज्य में छह नवंबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। सात नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी तथा 9 नवम्बर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश की 200 विधानसभा सीटों में 34 अनुसूचित जाति, 25 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं । उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव में सभी दो सौ सीटों पर केन्द्रीय पर्यवेक्षक चुनाव प्रक्रिया तथा उम्मीदवारों के खर्चे पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में शांतिपूर्ण चुनाव के कानून एवं व्यवस्था के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। गुप्ता ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाताओं के लिए प्रदेश में पहली बार विधानसभा आम चुनावों में होम वोटिंग की पहल की गई है। इन चुनावों में पात्र 18.05 लाख से अधिक मतदाताओं को विकल्प के तौर पर ये सुविधा मिल सकेगी।

भाजपा को 'सत्ता विरोधी लहर' व मोदी का सहारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के आगामी विधानसभा चुनाव में मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता तथा मौजूदा कांग्रेस सरकार के खिलाफ 'सत्ता विरोधी' लहर के सहारे जीत का भरोसा है। राज्य में 23 नवंबर को मतदान होगा जबकि तीन दिसंबर को मतगणना होगी।

भाजपा राज्य में अपने नेताओं में खींचतान पर काबू पाते हुए, सत्तारूढ़ कांग्रेस में अंदरूनी कलह का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की ताकत, कमजोरी व अवसरों और खतरों का एक विश्लेषण:

ताकत :

भाजपा के पास बूथ स्तर तक मजबूत संगठनात्मक ढांचा है। पार्टी ने चुनाव की तैयारी काफी पहले से शुरू कर दी थी। इसके साथ ही पार्टी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का फायदा मिलने की उम्मीद है। मोदी राज्य में पहले ही कई रैलियों को संबोधित कर चुके हैं। इसके अलावा भाजपा की 'हिदुत्व अपील' से भी उसे वोट मिलने की उम्मीद है। पार्टी राज्य में सांप्रदायिक हिंसा के मामलों को उठाती और अशोक गहलोत सरकार को तुष्टीकरण पर घेरती भी नजर आ रही है।

कमजोरियां:

भाजपा की राजस्थान इकाई की खींचतान भले ही कांग्रेस की तरह खुली न हो लेकिन पार्टी आलाकमान को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनके खेमे से सावधानी से निपटना होगा। इसके अलावा भाजपा पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के मुद्दे का ढंग से बचाव नहीं कर पाई है। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने के अपने आश्वासन से पीछे हट गया।

अवसर:

राज्य में 1990 के दशक से 'सत्ता विरोधी लहर' एक अहम चुनावी कारक रही है और इस बार यह भाजपा के पक्ष में एक बड़ा कारक है। पांच साल के कांग्रेस शासन के बाद, मतदाताओं का झुकाव इस बार भाजपा को सत्ता में लाने की तरफ हो सकता है। भाजपा प्रतिद्वंद्वी पार्टी की अंदरूनी कलह का फायदा उठाएगी। कांग्रेस के असंतुष्ट नेता सचिन पायलट ने इस साल परीक्षा पेपर लीक जैसे मामलों को लेकर मुख्यमंत्री पर निशाना साधा था। इसके अलावा भाजपा कानून-व्यवस्था, खासकर महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर गहलोत सरकार को घेरने की कोशिश करेगी। कथित 'लाल डायरी' भी चर्चा का मुद्दा बनी हुई है।

खतरा:

पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली और गहलोत सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू किए जाने से कांग्रेस की तरफ मतदाता जा सकते हैं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख हनुमान बेनीवाल अनेक विधानसभा सीटों पर उन जाट वोट में सेंध लगा सकते हैं जो भाजपा के पक्ष में जा सकते थे। सीमावर्ती इलाकों में नई भारतीय आदिवासी पार्टी पर भी नजर रखनी होगी।

क्या कांग्रेस को दोबारा सत्ता में ला पाएंगी गहलोत की कल्याणकारी योजनाएं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नागरिकों के लिए 25 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा और शहरी रोजगार योजना के क्रियान्वयन के साथ राज्य में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल की गयी है, वहीं चुनाव आचार संहिता लगने से ठीक पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में 'जातिगत सर्वेक्षण' की भी घोषणा कर दी।

अब सवाल यह है कि क्या गहलोत सरकार की ये योजनाएं कांग्रेस को एक बार फिर सत्ता की कुंजी दिला पाएंगी। मुख्यमंत्री गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की आपसी खींचतान से उभरते हुए 'एकजुटता' से चुनाव लड़ना भी कांग्रेस के लिए एक चुनौती है। राज्य में 23 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस की ताकत, कमजोरी, अवसरों और उसके सामने मौजूद चुनौतियों का आकलन कुछ इस प्रकार है:

ताकत:

राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में अशोक गहलोत का यह तीसरा कार्यकाल है। उनके जनता से सीधे जुड़ाव, आम लोगों तक पहुंचने के व्यवस्थित कार्यक्रम और एक के बाद एक योजनाएं लागू करने को कांग्रेस के लिए 'प्लस प्वाइंट' माना जा रहा है। दूसरी तरफ राज्य में दरकिनार किए जाने के बावजूद पूर्व उप मुख्यमंत्री पायलट का करिश्मा अब भी मायने रखता है। उन्हें सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोगों, खासकर युवाओं की भीड़ उमड़ती है और यह पार्टी के हित में हो सकता है। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं की लंबी सूची है। इनमें 25 लाख रुपये का चिकित्सा बीमा, शहरी क्षेत्रों के लिए मनरेगा जैसी रोजगार योजना, उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर और महिलाओं के लिए 'स्मार्टफोन' तथा पेंशन शामिल हैं।

कमजोरियां:

वर्तमान सरकार के लगभग पूरे कार्यकाल में मुख्यमंत्री गहलोत और सचिन पायलट के बीच अंदरूनी कलह के किस्से जारी रहे। कई बार उनकी आपसी खींचतान खुलकर भी सामने आई। सवाल यह है कि जिस तरह दोनों नेताओं के बीच इस समय गतिरोध नहीं दिखाई दे रहा है, क्या वह पार्टी को पहले हो चुके नुकसान की भरपाई कर पाएगा? राज्य इकाई के पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों को विगत जुलाई में नियुक्त किया गया था और उन्हें चुनाव से पहले तैयार होने के लिए बहुत कम समय मिला है। इसके अलावा पार्टी 'पेपर लीक' सहित भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना भी कर रही है। प्रदेश में कथित 'लाल डायरी' विवाद भी कांग्रेस के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। राज्य के एक पूर्व मंत्री ने दावा किया है कि इस डायरी में सरकार की वित्तीय अनियमितिताओं का ब्यौरा है।

अवसर :

पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली को राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस के लिए फायदे के रूप में देखा जा रहा है। इस निर्णय से लगभग सात लाख कर्मचारियों और उनके परिवारों को लाभ होने का दावा किया जा रहा है। राज्य में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के भीतर कथित खींचतान को भी कांग्रेस अपने लिए लाभ के रूप में देख रही है। खासतौर पर यदि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के समर्थक चुनाव प्रचार में जोर-शोर से नहीं लगते तो कांग्रेस को फायदा होने के आसार हैं।

चुनौती:

कांग्रेस के लिए राज्य में सत्ता विरोधी लहर की चुनौती भी कम नहीं है। राज्य में 1993 में भाजपा की सरकार बनने के बाद का इतिहास कहता है कि उसके बाद के विधानसभा चुनावों में एक बार कांग्रेस तो एक बार भाजपा को सत्ता की बागडोर मिलती रही है। यानी कोई भी पार्टी बीते इतने सालों में लगातार दो बार सरकार नहीं बना पाई। भाजपा सत्तारूढ़ दल पर वोटों के लिए 'तुष्टीकरण' का आरोप लगाती रही है। इसके अलावा असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) द्वारा कुछ सीटों पर उम्मीदवार खड़े करना भी कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। दूसरी तरफ, नवगठित भारतीय आदिवासी पार्टी उसके लिए कुछ आदिवासी बहुल इलाकों में परेशानी बन सकती है।

विधानसभा की 200 सीटें, सवा पांच करोड़ से अधिक मतदाता

जयपुर। राजस्थान में 200 विधानसभा सीटों के लिए 23 नवंबर को होने वाले मतदान में सवा पांच करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को नई दिल्ली में 2023 के विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके अनुसार राज्य की सभी 200 विधानसभा सीटों के लिए 23 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

निर्वाचन विभाग के चार अक्टूबर को जारी आंकड़ों के अनुसार मतदाता सूचियों के अन्तिम प्रकाशन तक राज्य में कुल 5 करोड़ 26 लाख 80,545 मतदाता हैं। इनमें से 2 करोड़ 73 लाख 58 हजार 627 पुरुष एवं 2 करोड़ 51 लाख 79 हजार 422 महिला मतदाता शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 2018 के विधानसभा चुनाव में राज्य में 4 करोड़ 77 लाख 89 हजार मतदाता थे। इनमें 2 करोड़ 49 लाख 61 हजार महिलाएं और 2 करोड़ 28 लाख 27 हजार महिला मतदाता थीं।

लोकार्पण

जयपुर में सोमवार को विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण करते भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया।

रेड क्रॉस सोसायटी की नवगठित समिति ने की मिश्र से भेंट

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र से आज राजभवन में इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी की नवगठित राज्य शाखा के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला के नेतृत्व में शिष्टाचार मुलाकात की।

मिश्र ने नव गठित राज्य समिति के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए रेड क्रॉस के जरिए पीड़ित मानवता की सेवा के लिए सभी स्तरों पर प्रभावी कार्य किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस की जिला शाखाएं आपदा के समय ही नहीं सामान्य परिस्थितियों में भी सेवा और सहायता के लिए निरंतर तत्पर रहें। उन्होने टीबी मुक्त भारत, कैंसर, एनीमिया आदि के लिए भी रेड क्रॉस को निरंतर कार्य करने और रक्तदान से जुड़ी गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, राजस्थान के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने रेड क्रॉस की राज्य प्रबंध समिति, कार्यकारी समिति एवं वित्त समिति के गठन एवं इसके बाद रखी गयी प्राथमिकताओ की कार्यवाही विवरण से राज्यपाल मिश्र को अवगत कराया।

अब त्योहारों पर उपहार में चीनी सामान नहीं, उप्र के परंपरागत उत्पाद दिए जाते हैं : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भदोही/लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के किसी भी देश में जाते हैं, तो वहां के राष्ट्राध्यक्ष को उत्तर प्रदेश के उद्यमियों द्वारा बनाए गए परंपरागत उत्पाद भेंट करते हैं। इससे हमारे हस्तशिल्पियों का सम्मान बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अब पर्व और त्योहारों में चीन निर्मित उत्पाद नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश का एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हस्तशिल्पी और कारीगर हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। 'एक जिला एक उत्पाद' और 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान' की योजना ने मात्र चार वर्ष में उत्तर प्रदेश के निर्यात को ढाई सौ गुना बढ़ाने में मदद की है। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने सोमवार को कार्पेट एक्सपो मार्ट में चार दिन के अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले के 45वें संस्करण की शुरूआत की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के अंदर कालीन उद्योग का निर्यात लगभग 17 हजार करोड़ का है, इसमें 60 प्रतिशत योगदान उत्तर प्रदेश के तीन जनपद... भदोही, मिर्जापुर और वाराणसी का है। यही कारण है कि 'टाउन्स ऑफ़ एक्सपोर्ट एक्सिलेंस टेक' पुरस्कार भी भदोही को मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा में आयोजित की गई अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी उत्तर प्रदेश के सामर्थ्य को प्रदर्शित करने का माध्यम बनी थी। यह अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला भी उत्तर प्रदेश की क्षमता को प्रदर्शित करने का दूसरा अवसर बनकर हमारे सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह मेला प्रधानमंत्री मोदी के 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'लोकल फॉर ग्लोबल विजन' को एक नई ऊंचाई प्रदान करने का अभियान है।

उन्होंने कहा कि हमारे हस्तशिल्पियों में हुनर की कमी नहीं थी, लेकिन उन्हें तकनीक और मंच नहीं मिल पा रहा था। हमारी सरकार ने जैसे ही प्रदेश के हस्तशिल्पियों को मंच उपलब्ध कराया, तो हमारे हस्तशिल्पी वैश्विक मंच पर अपनी धाक जमाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस मेले में 68 देशों के 450 से अधिक खरीदार इसका बड़ा उदाहरण है।

मिजोरम छोड़ सभी राज्यों में विधानसभा चुनाव लड़ेगी बसपा

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के साथ चुनावी समझौता करेगी। पार्टी अध्यक्ष मायावती ने इसकी जानकारी दी। मायावती ने हालांकि कहा कि उनकी पार्टी राजस्थान और तेलंगाना में अकेले चुनाव लड़ेगी लेकिन पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को इन राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने की घोषणा की है।

'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा, 'मप्र, राजस्थान, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ एवं मिजोरम विधानसभा चुनाव अगले महीने कराने की घोषणा का स्वागत, किन्तु चुनाव आयोग के लिए असली चुनौती सरकारी मशीनरी व धनबल आदि के दुरुपयोग को रोककर मतदान पूरी तरह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष कराने की है, जिस पर लोकतंत्र का भविष्य निर्भर (है)।' उन्होंने लिखा, ''साथ ही, ख़ासकर सत्ताधारी पार्टी द्वारा चुनाव को गलत दिशा में प्रभावित करने के लिए लुभावने वादे और हवा हवाई घोषणाओं आदि पर अंकुश लगना जरूरी, जिसको लेकर मा. उच्चतम न्यायालय ने नोटिस जारी किया है।

सिक्किम में फंसे असम के 124 छात्र सुरक्षित रूप से गुवाहाटी लौटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि सिक्किम में अचानक आई बाढ़ के कारण वहां फंसे राज्य के छात्र सुरक्षित रूप से लौट आये हैं। उन्होंने छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए असम के अधिकारियों और सिक्किम सरकार का शुक्रिया अदा किया। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सामान्य रास्ते बंद कर दिये गए थे, इसलिए सिक्किम सरकार के साथ चौबीस घंटे समन्वय कर हम अपने छात्रों को यथासंभव कम समय में वैकल्पिक मार्गों से वापस लाने में सक्षम रहें।''

अधिकारियों ने बताया कि कुल 124 छात्र सोमवार तड़के बसों से गुवाहाटी पहुंचे। उनके साथ असम सरकार के अधिकारी थे जो उन्हें वापस लाने के लिए तैनात किये गए थे। छात्रों की अगवानी करने वाले असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्राकृतिक आपदा के कारण सिक्किम में फंसे असम के सभी छात्र सुरक्षित रूप से गुवाहाटी पहुंच गये हैं। मैंने होटल रैडिसन ब्लू में उनकी अगवानी की और राज्य में आज सुबह उनका स्वागत किया।''

कांग्रेस ने जाति जनगणना कराने और आरक्षण की अधिकतम सीमा बढ़ाने की पैरवी की

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों और अगले साल के लोकसभा चुनाव से पहले सोमवार को सामाजिक न्याय की चुनावी राह पर मजबूती के साथ चलने का फैसला किया। उसने देश में जाति जनगणना कराने तथा अन्य पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण की अधितम 50% की सीमा को बढ़ाने की पैरवी की भी की। पार्टी की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में यह निर्णय लिया कि 2024 के लोस चुनाव के बाद वह केंद्र की सत्ता में आती है तो राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना कराई जाएगी, ओबीसी महिलाओं की भागीदारी के साथ महिला आरक्षण को जल्द से जल्द लागू किया जाएगा तथा ओबीसी, एससी एवं एसटी के लिए आरक्षण की अधिकतम सीमा को कानून के माध्यम से खत्म किया जाएगा।

कांग्रेस मुख्यालय में चार घंटे तक चली कार्य समिति की बैठक में जाति जनगणना और पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की रणनीति पर मुख्य रूप से चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू तथा पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। खरगे ने बैठक में दिए अपने अध्यक्षीय भाषण में सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर जाति आधारित जनगणना के विषय पर मौन रहने का आरोप लगाया और कहा कि कल्याणकारी योजनाओं में उचित सहभागिता के लिए यह जरूरी है कि कमजोर तबकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के आंकड़े उपलब्ध हों। उन्होंने पार्टी नेताओं से राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनावों के लिए प्रभावी रणनीति बनाने पर जोर दिया और कहा कि राजनीतिक दलों के साथ ही संवैधानिक पदों पर बैठे लोग भी सक्रिय हैं, ऐसे में खामोश नहीं रहा जा सकता।

सरकार की नीतियों से देश में बढ़ी अमीरी-गरीबी की खाई : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए उसकी नीतियों को विभाजनकारी करार देते हुए कहा कि महंगाई एवं बेरोजगारी चरम पर है और संवैधानिक मर्यादाओं को तोड़ा जा रहा है तथा अमीरी-गरीबी की खाई लगातार बढ़ रही है।

खरगे ने सोमवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति-सीडब्लूसी को संबोधित करते हुए कहा कि विभाजनकारी नीतियां देश के लिए चिंताजनक है। मोदी सरकार की नीतियों से अमीर और गरीब की खाई लगातार बढ रही है। संवैधानिक मूल्यों और संघीय ढांचे पर हमला हो रहा है तथा सामाजिक तनाव पैदा किया जा रहा है। महिला आरक्षण को लेकर मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए उन्होंने कि सच्चाई यह है कि महिलाओं को शक्ति देने का काम सबसे अधिक कांग्रेस ने ही किया है। उनका कहना था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की दूर दृष्टि के कारण पंचायती राज और नगर निकायों में महिलाओं को आरक्षण मिला और उसी वजह से दुनिया में सबसे ज़्यादा करीब 14 लाख चुनी हुई महिलाएं भारत में हैं। उन्होंने मोदी सरकार की महिला आरक्षण नीति को गुमराह करने वाला बताया और कहा कि आज देश भर में लोग यही सोच रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने ओबीसी महिलाओं को महिला आरक्षण के दायरे में क्यों नहीं रखा। यही नहीं महिला आरक्षण को उलझाने के लिए जनगणना और परिसीमन की शर्त रख दी है और यह भी पता ही नहीं चल रहा है कि ये हकीकत कब बनेगा। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आने पर ओबीसी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी तय करने के साथ ही महिला आरक्षण तुरंत लागू करेगी।

पश्चिम एशिया में शांति बहाली के लिए बातचीत हो, फलस्तीनियों को अधिकार मिले : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस इजराइल और हमास के बीच संघर्ष में आम नागरिकों के मारे जाने पर दुख जताते हुए कहा कि वर्तमान संघर्ष को जन्म देने वाले अपरिहार्य मुद्दों सहित सभी लंबित मुद्दों पर बातचीत शुरू करने की जरूरत है। भारत की मुख्य विपक्षी दल की कार्य समिति ने बैठक में पारित प्रस्ताव भी तत्काल संघर्ष विराम का भी आह्वान किया और कहा कि वह फलस्तीनी लोगों के जमीन, स्वशासन और आत्म-सम्मान के साथ जीने के अधिकारों के लिए दीर्घकालिक समर्थन को दोहराती है। प्रस्ताव में कहा गया है, ''कार्य समिति पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध और एक हजार लोगों के मारे जाने पर गहरा दुख और पीड़ा व्यक्त करती है। वह फलस्तीनी लोगों के जमीन, स्वशासन, और आत्म-सम्मान एवं गरिमा के साथ जीने के अधिकारों के लिए अपने दीर्घकालिक समर्थन को दोहराती है।''

बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण को पचा नहीं पा रही भाजपा: सीताराम येचुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा कराए गए जाति आधारित सर्वेक्षण को ''पचा नहीं पा रही'' है, जिसके निष्कर्ष पिछले सप्ताह जारी किए गए थे।

येचुरी ने भाजपा के इस आरोप को खारिज कर दिया कि सर्वेक्षण के निष्कर्ष में विसंगतियां हैं। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार अपने नौ वर्ष के कार्यकाल में राष्ट्रव्यापी जाति आधारित जनगणना क्यों नहीं करा पाई। माकपा नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार को बाहर से समर्थन दे रही है।

येचुरी ने यहां संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''हमने जाति आधारित सर्वेक्षण का हमेशा समर्थन किया है। हमारा मानना है कि राज्य सरकार ने यह काम पूरी जिम्मेदारी के साथ किया है।'' येचुरी दरभंगा और समस्तीपुर जिलों में पार्टी के कार्यक्रमों को संबोधित करने के लिए बिहार आए हैं।

येचुरी से भाजपा के इस आरोप को लेकर सवाल किया गया था कि सर्वेक्षण में कई पिछड़े वर्गों के साथ अन्याय किया गया है। भाजपा का आरोप है कि आंकड़ों को इस तरह से प्रस्तुत किया गया है कि वे बिहार के सत्तारूढ़ 'महागठबंधन', विशेष रूप से इसके सबसे बड़े घटक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अनुकूल हैं।

माकपा नेता ने इस सवाल के जवाब में कहा, ''भाजपा वास्तविकता को पचा नहीं पा रही। यदि उसे पिछड़े वर्गों की इतनी ही चिंता थी, तो उसने जाति आधारित सर्वेक्षण क्यों नहीं कराया? वह नौ साल से सत्ता में है।'' उन्होंने एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के नेता एवं सांसद संजय सिंह जैसे नेताओं की गिरफ्तारी ''प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी एजेंसी का खुला दुरुपयोग है।''

सेना प्रमुख ने सिक्किम में बाढ़ के हालात का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने दो दिवसीय यात्रा के दौरान अचानक आई बाढ़ से प्रभावित सिक्किम के हालात का जायजा लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि जनरल पांडे ने रविवार को सेना की पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता और जीओसी त्रिशक्ति कमान के लेफ्टिनेंट जनरल वी.पी.एस. कौशिक के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। अधिकारी ने एक बयान में कहा, ''सेना प्रमुख ने सिक्किम के मुख्यमंत्री पी.एस. तमांग से बातचीत की और उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।'' दौरे के दौरान जनरल पांडे ने सैनिकों से संवाद किया और चुनौतीपूर्ण समय के दौरान दृढ़ता और समर्पण के लिए उनकी सराहना की।

सुलतानपुर : चिकित्सक हत्याकांड में मुख्य आरोपी समेत दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुलतानपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले के कोतवाली क्षेत्र में भूमि विवाद में कथित तौर पर एक चिकित्सक की पीट-पीट कर हत्या किये जाने के मामले में पुलिस ने सोमवार को 50 हजार रुपये के इनामी मुख्य आरोपी समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है । पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) सोमेन बर्मा ने सोमवार को बताया कि चिकित्सक डॉ. घनश्याम त्रिपाठी हत्याकांड से जुड़े मुख्य आरोपी अजय नारायण सिंह एवं उसके सहयोगी दीपक सिंह को आज पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई पूरी कर जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी अजय नारायण सिंह के ऊपर 50 हजार का इनाम घोषित था। पुलिस अधीक्षक बर्मा ने यह भी बताया कि इन दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के पहले ही दो अन्य आरोपी जगदीश नारायण सिंह एवं विजय नारायण सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

लम्भुआ कोतवाली के सखौलीकलां के रहने वाले डॉ घनश्याम त्रिपाठी जिले के जयसिंहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत थे। परिजनों का आरोप है कि 23 सितंबर की शाम को एक दबंग भूमाफिया ने साथियों के साथ मिलकर उनकी निर्मम हत्या कर दी थी। पोस्टमार्टम के बाद अगले दिन उनका शव करीब साढ़े तीन बजे चिकित्सक के पैतृक गांव पहुंचा तो लोगों का आक्रोश उभर कर सामने आ गया। परिजन शव का अंतिम संस्कार नहीं करने पर अड़े हुये थे।

'आप' राजस्थान, मप्र एवं छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ने को तैयार है: केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनाव लड़ने के लिये तैयार है।

निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव के लिए एक चरण में क्रमश: 17 नवंबर, 23 नवंबर, 30 नवंबर तथा सात नवंबर को मतदान होगा, जबकि छत्तीसगढ़ में दो चरणों में सात एवं 17 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। इन पांचों राज्यों में तीन दिसंबर को मतगणना होगी। 'आप' की चुनावी तैयारी के बारे में पूछे जाने पर केजरीवल ने कहा, हम राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में पूरी ताकत से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। जब यह पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी विपक्षी दलों के मोर्चे 'इंडिया' के हिस्से रूप में चुनाव लड़ेगी तो उन्होंने कहा, जो भी होगा बता दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में फिलहाल कांग्रेस की सरकारें हैं। कांग्रेस और 'आप' दोनों 'इंडिया' गठबंधन में शामिल हैं।

मुजफ्फरनगर में 13 दूध डेयरियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा की गई शिकायतों के बाद शहरी आवासीय क्षेत्र में नालियों में पशुओं के गोबर और मूत्र को बहाने के आरोप में सिविल लाइंस थाना पुलिस ने 13 दूध डेयरियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने यह जानकारी दी। सिविल लाइंस थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संजय कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज किया है। एसएचओ ने बताया कि उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अभियंता रवीश प्रताप सिंह की शिकायत पर 13 दूध डेयरी मालिकों जुल्फेकार, शमशाद, अब्दुल समद, सुमित चौधरी, साजिद, अख्तर, नदीम, महमूद, इरफान, फौदा, आस मोहम्मद, सलीम और निखिल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

भारत के खिलाफ हार पर फिंच ने कहा, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों में आक्रामकता की कमी थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों में इरादे की कमी थी और वे भारत के विश्व स्तरीय स्पिनरों के खिलाफ आक्रामक क्रिकेट खेलने में विफल रहे। फिंच ने कहा कि उन्हें सबसे आगे रहने के लिए अपनी मानसिकता में बदलाव लाना होगा।

भारतीय स्पिनरों ने छह विकेट चटकाए जिससे स्पिन की अनुकूल पिच पर ऑस्ट्रेलिया की टीम 199 रन पर ढेर हो गई और उसे विश्व कप के अपने पहले मैच में भारत के खिलाफ छह विकेट से हार झेलनी पड़ी। फिंच का मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कुछ अधिक सतर्कता के साथ खेले और यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम पर पिच पर उन्होंने भारतीय स्पिनरों को दबदबा बनाने का मौका दिया।

फिंच ने आईसीसी के लिए कॉलम में लिखा, ''आप इस तरह की पिच पर (रविंद्र) जडेजा, कुलदीप (यादव) और (रविचंद्रन) अश्विन को उस तरह की गेंदबाजी नहीं करने दे सकते जैसी वे करना चाहते हैं। वे इतने सटीक और इतने कुशल हैं। जडेजा ने कितनी बार ऑस्ट्रेलिया के साथ ऐसा किया है।'' उन्होंने कहा, ''यह इस पर भी निर्भर करता है कि भारत ने कैसी स्पिन गेंदबाजी की लेकिन हमें यह भी देखना होगा कि ऑस्ट्रेलिया ने कैसी बल्लेबाजी की। योजना साफ थी कि उन्हें गेंदबाजों से आगे रहना होगा, खाली गेंदों को सीमित करने का प्रयास करना होगा और स्पिनरों के विश्व स्तरीय समूह के खिलाफ स्ट्राइक रोटेट करनी होगी।''

फिंच ने कहा, ''ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों में आक्रामकता की कमी दिखी। मुझे लगता है कि उन्होंने जो इरादा दिखाया उससे वे निराश होंगे और इस तथ्य से कि वे भारत पर वापस दबाव नहीं डाल पाए। इसके लिए मानसिकता में बदलाव की जरूरत है। फ्रंट फुट पर आकर खेलने का थोड़ा अधिक प्रयास करना होगा और कुछ जोखिम भी उठाने होंगे।

अतिपिछड़ों की बजाय पूंजीपतियों की हितैषी है केंद्र सरकार: जद (यू) प्रवक्ता राजीव रंजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार को पूंजीपतियों का हितैषी बताते हुए जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव रंजन ने सोमवार को कहा कि देश में फैली आर्थिक असमानता का दंश सबसे अधिक समाज के पिछड़े तबके को झेलना पड़ रहा है, लिहाजा इस वर्ग की वास्तविक संख्या जानने के लिए जाति आधारित गणना जरूरी है।

रंजन ने अमेरिकी मार्केटिंग एनालिसिस फर्म 'मर्सेलस इंवेस्टमेंट मैनेजर्स' की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि यह रिपोर्ट देश में छायी आर्थिक असमानता की 'भयावह तस्वीर' पेश करती है।

यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा, ''इस रिपोर्ट के मुताबिक अमीरों की दौलत में जहां 16 गुना बढ़ोतरी हुई है वहीं गरीबों के पैसे महज 1.4 प्रतिशत बढ़े हैं। यानी अमीर जहां और अमीर होते जा रहे हैं वहीं गरीबों का हाल जस का तस है।'' उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के मुताबिक आज देश की 80 प्रतिशत दौलत सिर्फ दो लाख परिवारों के पास है। एक अन्य रिपोर्ट का हवाला देते हुए रंजन ने कहा कि आर्थिक विकास से आया 80 प्रतिशत धन सिर्फ 20 कंपनियों के खाते में जा रहा है। उन्होंने कहा, ''निफ्टी में 10 साल में कुल 116 लाख करोड़ रुपए की पूंजी बनी है, जिसका 80 प्रतिशत सिर्फ 20 कंपनियां के खातों में गया है। यह दिखाता है कि मोदी सरकार पर पूंजीपतियों का हित साधने के लगने वाले आरोप शत प्रतिशत सही हैं।''

उन्होंने सवाल किया कि भाजपा को बताना चाहिए कि उनका 'तथाकथित विकास' अमीरों की दहलीज पर क्यों रुका हुआ है?

सुविचार

कलह पर विजय पाने के लिए, मौन से बड़ा कोई शस्त्र नहीं है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिंध और हिंद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह बयान कि 'अगर पांच सौ वर्षों के बाद राम जन्मभूमि वापस ली जा सकती है, तो कोई कारण नहीं कि हम 'सिंधु' (सिंध प्रांत) वापस न ले पाएं', विचारणीय है। दुर्भाग्य रहा कि इतने वर्षों तक लोग तो अपने बंगलों-मकानों में रहे, लेकिन प्रभु श्रीराम को अपनी ही नगरी में मंदिर के लिए बहुत लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ी। अंतत: उच्चतम न्यायालय से न्याय हुआ और भव्य मंदिर बनने का रास्ता साफ हो गया। अब, कुछ महीनों की बात और है। फिर, प्रभु श्रीराम के दर्शन सबके लिए सुलभ होंगे। हमारे लिए श्रीराम मंदिर आस्था के साथ ही इतिहास से जुड़ा हुआ अध्याय भी है। इससे युवा पीढ़ी को यह पता चला कि इस भारत भूमि पर विभिन्न कालखंडों में ऐसा क्या-क्या हुआ, जिसके कारण हमारी आस्था को चोट पहुंचाई गई, हमारे आराध्य को सदियों तक मंदिर निर्माण की प्रतीक्षा करनी पड़ी! इसी तरह, हमें इतिहास और वर्तमान, दोनों का ज्ञान रखते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि सिंध के बिना हिंद नहीं है। सिंध को हमारी संस्कृति, आस्था, इतिहास, दर्शन ... से अलग नहीं किया जा सकता। विदेशी आक्रांताओं ने सिंध को बहुत लहूलुहान किया था। भारत-विभाजन के बाद तो सिंध में अल्पसंख्यक असहाय ही हो गए। वहां आए दिन बच्चियों के अपहरण और जबरन धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। पाकिस्तानी हुक्मरान सिंधी संस्कृति को नष्ट कर कट्टर विचारधारा थोपने की कोशिशें कर रहे हैं। कभी सिंध के गांव-गांव में कई मंदिर थे, आज वे अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुके हैं। जिस सिंध के व्यापार-वाणिज्य से घर-घर में समृद्धि आती थी, आज वहां खूंखार आतंकवादियों और डाकुओं के अड्डे बन चुके हैं। वहां हिंदू तो गिनती के रह गए, जिनके घरों पर हर महीने हमलों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। सिंध की प्राचीन इमारतों के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ की जा रही है। उन्हें ढहाकर शॉपिंग मॉल खड़े किए जा रहे हैं। सिंध का बुद्धिजीवी वर्ग यह सोचकर हैरान है कि उनके साथ क्या हुआ, वे क्या थे और अब क्या हो गए!

जब हमारे युवाओं को भारत का इतिहास पढ़ाएं तो यह भी जरूर पढ़ाएं कि कराची, पेशावर, लाहौर, क्वेटा ... आदि हमसे कैसे छीने गए? उन्हें यह भी बताएं कि कराची का पंचमुखी हनुमान मंदिर, कटासराज का शिव मंदिर, बलोचिस्तान का हिंगलाज मंदिर और पीओके स्थित शारदा पीठ ... हमसे कैसे अलग किए गए? आज ढाकेश्वरी मंदिर में दर्शन के लिए हमें वीजा-पासपोर्ट की जरूरत क्यों पड़ती है? जब हम इन प्रश्नों पर मनन करेंगे, इनके उत्तर ढूंढ़ेंगे तो ही अपने भविष्य को सही दिशा दे पाएंगे। आज जब पाकिस्तान में खुदाई के दौरान प्राचीन मंदिर के अवशेष निकल आते हैं तो यहां कई लोग इसी से खुश हो जाते हैं। संभवत: वे इसे अपने इतिहास की प्राचीनता को सिद्ध करने के लिए एक और प्रमाण के तौर पर लेते हैं, जबकि उन्हें इस बात पर चिंतन करना चाहिए कि ऐसा क्या कारण रहा होगा कि ये भव्य मंदिर इस स्थिति में पहुंचे? हमारे उन पूर्वजों के साथ क्या हुआ था? हमारा इतिहास तो बहुत प्राचीन है ही, इसमें क्या संदेह है! हमें भविष्य के लिए भी चिंतन करना होगा, योजना बनानी होगी। भारत माता को विभाजन से जो पीड़ा हुई, वह मिटी नहीं है, बल्कि अब उसकी संतानें (भारतवासी) आतंकवाद की पीड़ा से त्रस्त हैं। हमें इनका उपचार ढूंढ़ना होगा। भारत माता को वही वैभव पुन: लौटाना होगा। आतंकवाद को नष्ट कर भारत मां के शीश पर संपूर्ण जम्मू-कश्मीर के रूप में भव्य मुकुट स्थापित करना होगा। उसकी 'दोनों भुजाओं' को 'आभूषणों' से सुसज्जित करते हुए पुन: प्रतिष्ठित करना होगा। यह कोई एक दिन या एक साल का काम नहीं है और न ही सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी है। जब बड़े फैसले लिए जाते हैं तो उसमें दशकों लग जाते हैं। यह काम कठिन जरूर है, असंभव बिल्कुल नहीं है। हां, दृढ़ प्रतिज्ञ लोग प्रतीक्षा करते हैं, वे निराश नहीं होते। ऐसे लोग ही इतिहास की धारा को मोड़ते आए हैं।

ट्वीटर टॉक

आज नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, आदरणीय श्रीमती सोनिया गांधी, श्रराहुल गांधी व श्रीमती प्रियंका गांधी के साथ कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में सहभागिता की। इस दौरान आगामी चुनावों व पार्टी से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर चिंतन हुआ।

-अशोक गहलोत

मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है। गरीब कल्याण, सुशासन और विकास भाजपा शासन की पहचान रही है। मुझे विश्वास है कि इन राज्यों की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को बहुमत का आशीर्वाद देगी।

-अमित शाह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी , राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , केन्द्रीय चुनाव समिति के सभी सदस्यों एवं प्रदेश नेतृत्व का विद्याधर नगर विधानसभा से चुनाव हेतु उम्मीदवार चुनने और मुझ पर भरोसा जताने के लिए हार्दिक आभार।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

मोक्ष देने वाला व्रत

आश्विन अथवा क्वार महीने के कृष्णपक्ष की एकादशी को 'इंदिरा एकादशी' कहा जाता है। पितृपक्ष के दौरान पड़ने के कारण इसका एक नाम 'पितृपक्ष एकादशी' भी है। यह व्रत भक्तों को सभी कष्टों और समस्याओं से मुक्ति दिलाने में मदद करता है। इंदिरा एकादशी की खास बात यह है कि यह पितरों की मुक्ति के लिए सर्वोत्तम मानी जाती है। पद्मपुराण के अनुसार इस एकादशी की ऐसी महिमा है कि जो व्यक्ति यह व्रत करके भगवान श्रीहरि विष्णु का विधिपूर्वक पूजन करता है, उसको मृत्यु के बाद भी पुण्य-लाभ मिलता है तथा उसकी सात पीढ़ियों तक पितरों को तृप्ति मिलती है। मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और वैकुंठ-धाम की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि इस एकादशी पर विधिपूर्वक व्रत एवं पूजन कर इसके पुण्य को पूर्वजों के नाम से दान करने वाले भक्त के पूर्वजों को तो मोक्ष मिलता ही है, साथ ही व्रत-पूजन करने वाले को स्वयं भी इसके पुण्य-प्रभाव से वैकुण्ठ-धाम की प्राप्ति होती है। पुराणों में बताया गया है कि जितना पुण्य कन्यादान अथवा हजारों वर्षों तक तपस्या करने से प्राप्त होता है, उससे भी अधिक पुण्य की प्राप्ति केवल इंदिरा एकादशी का व्रत और भगवान श्रीहरि विष्णु की विधिवत पूजा करने से हो जाती है।

सामयिक

बालिकाएं कब तक बेचारगी का जीवन जीएंगी?

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

दुनियाभर में बालिकाओं की बेचारगी को दूर करने, सुरक्षित एवं सम्मानपूर्ण जीवन प्रदत्त करने, उनके सेहतमंद जीवन से लेकर शिक्षा और करियर के लिए मार्ग बनाने के उद्देश्य से हर साल 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इस दिन बालिकाओं को उनके अधिकारों, उनके सुरक्षित जीवन और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जाता है। भारत समेत कई देशों में बालिकाओं को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक बच्ची के जन्म से लेकर परिवार में उसकी स्थिति, शिक्षा के अधिकार और करियर में बालिकाओं के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए जागरूकता फैलाना ही इस दिवस का उद्देश्य है। एक गैर सरकारी संगठन ने प्लान इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के रूप में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत की। इस एनजीओ ने एक अभियान चलाया, जिसका नाम क्योंकि 'मैं एक लड़की हूं' रखा गया। इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाने के लिए कनाडा सरकार से संपर्क किया गया। कनाडा सरकार ने एक आम सभा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 19 दिसंबर 2011 के दिन संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित किया और 11 अक्तूबर 2012 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया और उस समय इसकी थीम बाल विवाह को समाप्त करना था। 2023 की थीम है उसके साथ: एक कुशल लड़की का बल।

आज दुनिया में कन्याओं एवं बालिकाओं के समग्र विकास के साथ उनके जीवन को सुरक्षित करना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि छोटी बालिकाओं पर हो रहे अन्याय, अत्याचारों की एक लंबी सूची रोज बन सकती है। न मालूम कितनी अबोध बालिकाएं, कब तक ऐसे जुल्मों का शिकार होती रहेंगी। कब तक अपनी मजबूरी का फायदा उठाने देती रहेंगी। सख्त कानूनों के बावजूद, देश में हर 15 मिनट पर एक बालिका यौन अपराध का शिकार होती है। निर्भया मामले में जनांदोलन के बाद सख्त कानून बनने के बावजूद देश में बलात्कार एवं बाल-दुष्कर्म मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। सुझाव दिए गए हैं कि स्कूली पाठ्यक्रमों में यौन शिक्षा को शामिल किया जाए। लेकिन संस्कृति और परंपरा आदि का हवाला देकर इस तरह के विचारों को दरकिनार किया जाता रहा है। जबकि संवेदनशील तरीके से की गई यौन शिक्षा की व्यवस्था बच्चों को अपने शरीर और उसके साथ होने वाली हरकत को समझने और समय पर उससे बचने या विरोध करने में मददगार साबित हो सकती है। इस खास दिन मनाने का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं यानी नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि महिलाएं भी देश और समाज के विकास में योगदान दे सकें। उन्हें सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए बालिका दिवस के मौके पर कई देशों में कार्यक्रमों का आयोजन होता है। देश में लड़कियों के लिये ज्यादा समर्थन और नये मौके देने के लिये इस उत्सव की शुरुआत की गयी। बालिका शिशु के साथ भेद-भाव एक बड़ी समस्या है जो कई क्षेत्रों में फैला है जैसे शिक्षा में असमानता, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सीय देख-रेख, सुरक्षा, सम्मान, बाल विवाह आदि। सामाजिक लोगों के बीच उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिये और समाज में लड़कियों की स्थिति को बढ़ावा देने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। ये बहुत जरूरी है कि विभिन्न प्रकार के समाजिक भेदभाव और शोषण को समाज से पूरी तरह से हटाया जाये जिसका हर रोज लड़कियाँ अपने जीवन में सामना करती हैं।

समाज में व्याप्त अत्यधिक गरीबी ने बालिकाओं के खिलाफ सामाजिक बुराई जैसे दहेज प्रथा को जन्म दिया है जिसने बालिकाओं की स्थिति को बद से बदतर (बहुत बुरा) बना दिया है। आमतौर पर माता-पिता सोचते है की लड़कियाँ केवल रुपये खर्च कराती है जिसके कारण वो लड़कियों को बहुत से तरीकों (कन्या भ्रूण हत्या, दहेज के लिये हत्या) जन्म से पहले या बाद में मार देते हैं, कन्याओं या महिलाओं को बचाने के लिये ये मुद्दे समाज से बहुत शीघ्र खत्म करने की आवश्यकता है। हम तालिबान-अफगानिस्तान आदि देशों में बच्चियों एवं महिलाओं पर हो रही क्रूरता, बर्बरता, शोषण की चर्चाओं में मशगूल दिखाई देते हैं लेकिन भारत में आए दिन नाबालिग बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं तक से होने वाली छेड़छाड़, बलात्कार, हिंसा की घटनाएं पर क्यों मौन साध लेते हैं? इस देश में जहां नवरात्र में कन्या पूजन किया जाता है, लोग कन्याओं को घर बुलाकर उनके पैर धोते हैं और उन्हें यथासंभव उपहार देकर देवी मां को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं वहीं इसी देश में बेटियों को गर्भ में ही मार दिये जाने एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को नौंचने की त्रासदी भी है। इन दोनों कृत्यों में कोई भी तो समानता नहीं बल्कि गज़ब का विरोधाभास दिखाई देता है।

दरअसल छोटी लड़कियों या महिलाओं की स्थिति अनेक मुस्लिम और अफ्रीकी देशों में दयनीय है। जबकि अनेक मुस्लिम देशों में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के लिये सख्त सजा का प्रावधान है, अफगानिस्तान-तालिबान का अपवाद है। वहां के तालिबानी शासकों ने महिलाओं को लेकर जो फरमान जारी किए हैं वो महिला-विरोधी होने के साथ दिल को दहलाने वाले हैं। नये तालिबानी फरमानों के अनुसार महिलाएं आठ साल की उम्र के बाद पढ़ाई नहीं कर सकेंगी। आठ साल तक वे केवल कुरान ही पढ़ेंगी। 12 साल से बड़ी सभी लड़कियों और विधवाओं को जबरन तालिबानी लड़कों से निकाह करना पड़ेगा। बिना बुर्के या बिना अपने मर्द के साथ घर से बाहर निकलने वाली महिलाओं-बालिकाओं को गोली मार दी जाएगी। दूसरे मर्द से रिश्ते बनाने वाली बालिकाओं को कोडों से पीटा जाएगा। महिलाएं अपने घर की बालकनी में भी बाहर नहीं झांकेंगीं। इतने कठोर, क्रूर, बर्बर और अमानवीय कानून लागू हो जाने के बावजूद अफगानिस्तान की पढ़ी-लिखी और जागरूक महिलाएं बिना डरे सड़कों पर जगह-जगह प्रदर्शन कर रही हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियों को इन बालिकाओं के स्वतंत्र अस्तित्व को बचाने के लिये आगे आना चाहिए। तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। भारत में भी जब कुछ धर्म के ठेकेदार हिंसात्मक और आक्रामक तरीकों से बालिकाओं को सार्वजनिक जगहों पर नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं तो वे भी तालिबानी ही नजर आते हैं। विरोधाभासी बात यह है कि जो लोग बालिकाओं को संस्कारों की सीख देते हैं, उनमें से बहुत से लोग, धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। 'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे भोग की 'वस्तु' समझकर आदमी अपने 'तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। देश में गैंग रेप की वारदातों में कमी भले ही आयी हो, लेकिन उन घटनाओं का रह-रह कर सामने आना त्रासद एवं दुःखद है।

नजरिया

स्वस्थ समाज के लिए स्वस्थ मानसिकता जरूरी

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता है । इस साल की थीम मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है रखा गया है। मानसिक स्वास्थ्य एक गंभीर समस्या के तौर पर देखी जाती है।आज के दौर में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरी हैं। एक बेहतर स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वस्थ मानसिकता अत्यंत आवश्यक है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का समग्र उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयास जुटाना है। यह दिन मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर काम करने वाले सभी हितधारकों को अपने काम के बारे में बात करने का अवसर प्रदान करता है, और दुनिया भर के लोगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को वास्तविकता बनाने के लिए और क्या करने की आवश्यकता है, इसके बारे में बात करने का अवसर प्रदान करता है। इस दिन पूरी दुनिया में मानसिक बीमारी से जुड़े हुए विषय पर कई प्रकार के स्वास्थ्य संबंधित प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। जिसमें लोगों को किस प्रकार आप अपने आप को मानसिक रूप से स्वस्थ रखेंगे उसके बारे में डॉक्टर के द्वारा कई प्रकार के टिप्स और जानकारी उपलब्ध करवाए जाते हैं, ताकि आप उन टिप्स और जानकारी का अनुसरण कर अपने आप को मानसिक रूप से मजबूत बना सके। तनाव, चिंता और अवसाद या फिर किसी भी तरह की मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या मानसिक रोगों की श्रेणी में आता है। मानसिक रोगी की मनोदशा और स्वास्थ्य का असर उसके स्वभाव में देखने को मिलता है। ऐसा व्यक्ति अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता है। एक सर्वे के मुताबिक देश के 59 फीसदी से अधिक लोगों को लगता है कि वह अवसाद की स्थिति से जूझ रहे हैं। लेकिन वह अपने परिवार व दोस्तों से इसका जिक्र नहीं करते हैं। क्योंकि कहीं ना कहीं आज भी मानसिक बीमारी हमारे देश एक वर्जित विषय के तौर पर देखा जाता है। मानसिक रोग के लक्षण लगातार उदास रहना मूड का बार-बार बदलना असामान्य बर्ताव करना अचानक से गुस्सा होना और अचानक से हंसना घबराहट या दर्द होना आदि।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनियाभर में 280 मिलियन (28 करोड़) से अधिक लोग डिप्रेशन के शिकार हैं। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर सामाजिक टैबू के चलते इनमें से ज्यादातर लोगों का समय पर इलाज नहीं हो पाता है। भारत में 9,000 मनोचिकित्सक हैं या प्रति 100,000 लोगों पर एक। प्रति 100,000 लोगों पर मनोचिकित्सकों की आदर्श संख्या तीन है। परिणामस्वरूप, भारत में 18,000 मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी है।

मेंटल हेल्थ को ठीक रखने के लिए जरूरी है कि आप शारीरिक रूप से सक्रिय रहें। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल यानी शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण गुड हार्मोन सेरोटोनिन का रिलीज कम हो जाता है, जो सीधे तौर पर मूड को ठीक रखने के लिए आवश्यक है।

मुद्दा

इजरायल पर हमला सभी को सतर्क रहने की जरूरत

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

आतंकी संगठन हमास के इजराइल पर अचानक किए बड़े हमले ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। खुफिया एजेंसी मोसाद की बड़ी नाकामी के साथ ही इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम पर भी सवाल उठने लगे हैं। इजराइल पर हुए इस घातक हमले के बाद भारत को भी सजग होने की जरूरत है. हमास ने जिस तरह से जल, थल और नभ से इजराइल पर आक्रमण किया है। उसने दुनिया भर को सुरक्षा के उच्च तकनीक बेचने वाले इजराइल की बड़ी चूक सामने ला दी है। दरअसल इजराइल का पूरे अरब के देशों के साथ जो तनाव है, वो 1948 में जब इजराइल की स्थापना हुई थी तभी से है। जब से 2006 में हमास चुनाव लड़के आया है तब से लगातार उसकी हिम्मत बढ़ी है। हिंसा भी बढ़ा है। इससे भारत को भी सुरक्षा की चिंता होनी चाहिए। कहा जा रहा है कि भारत की सुरक्षा पर इसका असर हो सकता है। क्योंकि इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि ये कोई छोटा ऑपरेशन या ऐक्शन नहीं है। युद्ध और देर तक चलेगा। उनकी समीक्षा सही भी है। क्योंकि करीब 22 या 23 जगह ऐसी हैं जहां जल, थल, वायु तीनों तरफ से अटैक हुआ है। जान और माल का बहुत नुकसान हुआ है। तो ये जो समीक्षा है इजराइल के प्रधानमंत्री की, कि ये देर तक चलेगा, ये सही है। कुछ देश ऐसे हैं जिन्होंने खुलकर कहा है कि जो भी इजराइल की राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को बचाने के लिए जरूरतें होंगी वो उसे पूरा करने में पीछे नहीं हटेंगे। दूसरी तरफ ईरान में आज उनकी संसद में भी नारा लगाकर प्रदर्शन हुआ और कई शहरों से खबरें आ रही हैं कि जुलूस में हमास के हमले को समर्थन मिला है। हालांकि टर्की और सउदी अरेबिया ने अंकुश लगाने की कोशिश की है। तो इसमें कई दूसरे देश भी उसमें बोलते हुए नजर आते हैं। भारत ने भी हमास को आतंकी कहा है। जबकि इससे पहले भारत की सरकार लगातार हमास को एक मिलिटेंट ग्रुप का दर्जा देती थी। मौलिक तौर पर यदि ये युद्ध चलता है तो चुंकि इजराइल भारत का एक बड़ा खास दोस्त हैं इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है ।

देखा जाय तो रक्षा के उपकरणों में आज इजराइल भारत के आयात का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत है। उसके अलावा व्यापार में भी करीब 7.5 अरब डॉलर का व्यापार है। खासकर तकनीक को लेकर भारत और इजराइल के संबंधों को अक्सर थ्री डी यानि डिफेंस, डाइमंड,और ड्रिपिंग इरिगेशन, इस तरह से व्याख्या करते हैं। तो भारत से जो खास संबंध हैं, और खासकर प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री नेतन्याहू का जो आपस में अच्छा तालमेल है। यदि ये युद्ध चलता है देर तक, तो विश्व पर शायद इसका असर ना भी हो पर भारत की रक्षा तकनीक के नज़रिए से इजराइल से जुड़ी हुई है, तो इजराइल अगर एक लंबे युद्ध में उलझ जाता है तो शायद उसका असर भारत की जो रक्षा की तैयारी है, उस पर हो सकता है। ज़ाहिर है भारत और बहुत दूसरे देशों से भी रक्षा उपकरण लेता है और उनसे साझेदारी बनाए हुए है। पर इजराइल युद्ध का यदि असर समझना चाहें तो लगता है कि विश्व से ज्यादा भारत पर असर हो सकता है क्योंकि इजराइल का वह एक खास तरह से दोस्त है। तो इसकी भारत को समीक्षा करनी होगी।

हमास के आतंकियों ने ना सिर्फ हजारों बम बरसाए बल्कि अंदर घुसकर इजरायल के कई सैनिकों और नागरिक को भी बंधक बना लिया। ये एक नए तरह का वॉर हम देख रहे हैं। पिछले कई वर्षों से हमारी सुरक्षा एजेंसियां आम नागरिको को सुरक्षा देने में काफी सफल रही है। लेकिन अब इस नए तरह के खतरे से निपटने के लिए भारत को हर तरह से चौकन्ना रहना ही होगा । क्यूकि इजराइल पर हमले के दिन की चुनाव जिस तरह से हुआ है वह बड़ी सोची समझी साजिश के तहत हुआ है । इजराइल का सिमचैट टोहरा साल में सबसे एक तरह से खुशी वाला दिन होता है। उस दिन शायद कुछ हद तक जो चौकन्ना रहने की जरूरत थी, उतना शायद इजराइल ना रहा हो। ये जो इतना बड़ा जो हमला हुआ है उसके बारे में कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि शायद ये इजराइल के इतिहास में 1948 के बाद पहला इतना बड़ा हमला है। या फिर जो 1973 मे जिसे हम योम किप्पूर वॉर भी कहते हैं और उसमें इजिप्ट और सीरिया की तरफ से हमला हुआ था। अब तो इसकी उम्मीद नहीं थी। पिछले 50 साल से कुछ ऐसा हो नहीं रहा था।

शायद वो खास दिन जो चुना गया था साथ ही शायद इजरायल के राजनीतिक हालात में अंदरूनी अस्थिरता है। पिछले 4 साल में पांच बार चुनाव हुए हैं। इतने प्रदर्शन हो रहे सरकार को लेकर और 14 अक्टूबर से वहां की संसद जिसे नेसेट कहते हैं, उस का अधिवेशन होने वाला था। तो अंदरूनी सत्ता को लेकर भी कुछ लोग इस तरह से अटकलें लगा रहे थे कि क्या कारण हो सकता है कि इजराइल जो हमेशा इतना चौकन्ना रहता है अपनी सुरक्षा को लेकर, ये नहीं भांप पाया पहले से कि इस तरह से कोई बड़ा अटैक है, वो होने वाला है। पर इसकी तो बाद में समीक्षा होगी कि क्या कारण रहा हो सकता है। इन हमलों के बाद जिस तरह से पश्चिमी देशों के भी और अरब देशों के भी रिऐक्शन आ रहे हैं, क्या ऐसा लग रहा है कि दुनिया फिर खेमों में बंटती नजर आ रही है और अगर ऐसा है तो एक तरह से अच्छा संकेत नहीं है इसमें और खासकर जब इसको थोड़ा सा यूक्रेन युद्ध के साथ भी जोड़के देखते हैं तो यूक्रेन युद्ध के चलते खेमों में विश्व बंटता हुआ नजर आता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

गरबा

गरबा प्रेमी सोमवार को अहमदाबाद में नवरात्रि उत्सव के उपलक्ष्य में गरबा नृत्य का अभ्यास करते हुए।

इजराइल पर हमास के हमले में नेपाल के 10 नागरिकों की मौत

काठमांडू/भाषा

फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के रॉकेट हमलों में इजराइल में नेपाल के 10 नागरिकों की मौत हो गयी तथा चार अन्य घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। हमास ने शनिवार को दक्षिणी इजराइल में हवाई हमले किए जिसमें सैनिकों समेत कम से कम 700 लोगों की मौत हो गयी और करीब 2,000 लोग घायल हुए हैं। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने जवाबी कार्रवाई करते हुए हमास के अहम ठिकानों पर हमले किए। इजराइल और गाजा में करीब 1,000 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने यहां एक बयान में बताया कि इजराइल में हमास के हालिया हमले में 10 नेपाली नागरिकों की मौत हो गयी। उसने बताया कि किब्बुत्ज एलुमिम में एक खेत में काम कर रहे नेपाल के 17 नागरिकों में से दो को सुरक्षित बचा लिया गया, चार घायल हो गए तथा एक अभी लापता है। यरुशलम में नेपाल दूतावास ने एक बयान में कहा, ''हमें उस घटनास्थल से 10 नेपाली नागरिकों की मौत की सूचना मिली है जहां हमास ने हमला किया था।''

सैन्य सूत्रों के अनुसार, हमास के हमले में मारे गए सभी 10 लोग पश्चिमी नेपाल में सुदूर पश्चिम विश्वविद्यालय के कृषि पाठ्यक्रम के छात्र थे। इजराइल में अभी नेपाल के 4,500 नागरिक देखरेख कर्मी के तौर पर काम रहे हैं। इजराइली सरकार के 'लर्न एंड अर्न' कार्यक्रम के तहत इजराइल में नेपाल के कुल 265 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। उनमें से 119 कृषि एवं वानिकी विश्वविद्यालय के, 97 त्रिभुवन विश्वविद्यालय के और 49 सुदूर पश्चिम विश्वविद्यालय के हैं। उनमें से सभी कृषि पाठ्यक्रम के स्नातक स्तर के छात्र हैं। दूतावास ने कहा, ''हम घटना में मारे गए लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। एक लापता नेपाली नागरिक की तलाश करने के प्रयास किए जा रहे हैं। शिनाख्त होने के बाद शव जल्द ही नेपाल लाए जाएंगे।'' नेपाल सरकार ने इजराइली सरकार से अनुरोध किया है कि जिन घायलों का इलाज हो रहा है, उनके लिए आवश्यक बंदोबस्त किए जाएं।

इज़राइल-हमास युद्ध

कौन जीतेगा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, फायदे में ईरान रहेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डेनवर (अमेरिका)। इजरायल और फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच छिड़े युद्ध में केवल एक ही विजेता होगा। और यह न तो इज़राइल है और न ही हमास। अल-अक्सा स्टॉर्म नामक एक ऑपरेशन में, हमास, जिसका औपचारिक नाम इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन है, ने 7 अक्टूबर, 2023 को इज़राइल में हजारों रॉकेट दागे।

सैकड़ों इसराइली मारे गए, 2,000 से अधिक घायल हुए और कई को बंधक बना लिया गया। जवाब में, इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास पर युद्ध की घोषणा की और गाजा में हवाई हमले शुरू कर दिए। फ़लस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, जवाबी हमले के पहले दिन में लगभग 400 फ़लस्तीनी मारे गए। आने वाले हफ्तों में, इजरायली सेना निश्चित रूप से जवाबी कार्रवाई करेगी और सैकड़ों फ़लस्तीनी आतंकवादियों और नागरिकों को मार डालेगी।

मध्य पूर्व की राजनीति और सुरक्षा के एक विश्लेषक के रूप में, मेरा मानना है कि दोनों पक्षों के हजारों लोग पीड़ित होंगे। लेकिन जब धुआं शांत हो जाएगा, तो केवल एक ही देश के हित पूरे होंगे और वह देश है ईरान। पहले से ही, कुछ विश्लेषक सुझाव दे रहे हैं कि इज़राइल पर अचानक हुए हमले में तेहरान की उंगलियों के निशान देखे जा सकते हैं। ईरान के नेताओं ने हमले पर प्रोत्साहन और समर्थन के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

ईरान की विदेश नीति को आकार देने वाला निर्णायक कारक 1979 में अमेरिका के मित्रवत, दमनकारी ईरान के शाह को उखाड़ फेंकना और शिया मुस्लिम क्रांतिकारी शासन के हाथों में राज्य की सत्ता का हस्तांतरण था। उस शासन को अमेरिकी साम्राज्यवाद और इजरायली यहूदीवाद के घोर विरोधी के रूप में परिभाषित किया गया। इसके नेताओं ने दावा किया कि क्रांति सिर्फ भ्रष्ट ईरानी राजशाही के खिलाफ नहीं थी; इसका उद्देश्य हर जगह उत्पीड़न और अन्याय का मुकाबला करना था, और विशेष रूप से उन सरकारों का मुकाबला करना था जो अमेरिका द्वारा समर्थित थीं – उनमें से प्रमुख था इज़राइल। ईरान के नेताओं के लिए, इज़राइल और अमेरिका अनैतिकता, अन्याय और मुस्लिम समाज और ईरानी सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। इज़राइल के प्रति महसूस की जाने वाली स्थायी शत्रुता शाह के साथ उसके घनिष्ठ संबंधों और ईरानी लोगों के निरंतर उत्पीड़न में इज़राइल की भूमिका के कारण कम नहीं हुई। अमेरिकी सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के साथ मिलकर, इज़राइल की खुफिया सेवा, मोसाद ने शाह की गुप्त पुलिस और खुफिया सेवा, सवाक को संगठित करने में मदद की। इस संगठन ने शाह के सत्ता में पिछले दो दशकों के दौरान असंतुष्टों को दबाने के लिए तेजी से कठोर रणनीति पर अमल किया, जिसमें सामूहिक कारावास, यातना, गायब कर देना, जबरन निर्वासन और हजारों ईरानियों की हत्या शामिल थी।

फ़लस्तीनी मुक्ति के लिए समर्थन ईरान के क्रांतिकारी संदेश का केंद्रीय विषय था। 1982 में लेबनान पर इजरायली आक्रमण – इजरायल के खिलाफ लेबनान स्थित फ़लस्तीनी हमलों के प्रतिशोध में – ने ईरान को लेबनान में इजरायली सैनिकों को चुनौती देकर और क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव पर अंकुश लगाकर अपनी यहूदी विरोधी बयानबाजी पर कायम रहने का अवसर प्रदान किया।

भारत में वर्ष 2020 में समय पूर्व जन्म के मामले दुनियाभर में सबसे अधिक

नई दिल्ली/भाषा

भारत में वर्ष 2020 के दौरान समय पूर्व जन्म के 30.2 लाख मामले दर्ज किये गये जो दुनियाभर में सर्वाधिक है। यह संख्या इस अवधि में दुनियाभर में समय पूर्व जन्म के कुल मामलों के 20 फीसदी से अधिक है। 'द लांसेट' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) और ब्रिटेन स्थित 'लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन' के शोधकर्ताओं के शोध से पता चला है कि वर्ष 2020 में दुनियाभर में समय से पहले जन्म के 50 प्रतिशत से अधिक मामले सिर्फ आठ देशों में दर्ज किये गये।

शोधकर्ताओं ने कहा कि जिन देशों में समय पूर्व जन्म के सर्वाधिक मामले सामने आए उनमें भारत के बाद क्रमश: पाकिस्तान, नाइजीरिया, चीन, इथियोपिया, बांग्लादेश, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और अमेरिका शामिल हैं।

इन देशों और क्षेत्रों में समय पूर्व जन्म के अधिक मामले इन देशों की बड़ी आबादी, कुल जन्म की अधिक संख्या और लचर स्वास्थ्य प्रणाली को दर्शाते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2020 की शुरुआत में 1 करोड़ 34 लाख बच्चों ने जन्म लिया जिनमें से करीब 10 लाख बच्चों की मौत समय पूर्व जन्म संबंधी जटिलताओं के कारण हो गई। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा विश्वभर में समय पूर्व (गर्भवस्था के 37 सप्ताह के पहले) जन्मे 10 बच्चों में से एक के समतुल्य है। शोधकर्ताओं ने कहा, ''चूंकि समय से पहले जन्म बच्चों की प्रारंभिक वर्षों में मृत्यु का प्रमुख कारण है, इसलिए समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों की देखभाल के साथ-साथ रोकथाम के प्रयासों – विशेष रूप से मातृ स्वास्थ्य और पोषण – दोनों को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''समय पूर्व जन्मे जो बच्चे जीवित बचते हैं, उनके बड़ी बीमारियों के चपेट में आने, विकलांगता और विलंबित विकास, मधुमेह और दिल की बीमारी से पीड़ित होने का खतरा बढ़ जाता है।''

यह अध्ययन जनसंख्या-आधारित और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि डेटा के आधार पर आकलन करता है ताकि वर्ष 2020 के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलनीय देश-स्तरीय आकलन तैयार किया जा सके।

शोधकर्ताओं के अनुसार, यद्यपि अधिकतर समय पूर्व जन्म दर के मामले कम आय और मध्यम आय वाले देशों और क्षेत्रों में हैं, लेकिन यूनान और अमेरिका जैसे उच्च आय वाले देशों में भी 10 प्रतिशत या उससे अधिक की दर देखी गई है।

बैठक

नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सोमवार को नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के दौरान पार्टी नेता राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल के साथ।

'गणपत : ए हीरो इज बॉर्न' ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गणपत : ए हीरो इज बॉर्न' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। यह डायस्टोपियन फ्यूचरिस्टिक वर्ल्ड में ले जाता है। फिल्म में टाइगर श्रॉफ, कृति सेनन और दिग्गज बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन हैं। 2 मिनट 27 सेकंड लंबे ट्रेलर की शुरुआत साइबर सिटी के शहरी परिदृश्य से होती है।

इसमें शहर के खंडहरों को दिखाया गया है और यहां वॉयस ओवर शुरु होता है, जोकि टाइगर के बारे में बताता है। वॉयसओवर में कहा जाता है कि एक दिन एक ऐसा योद्धा पैदा होगा, जो अमर होगा। वो अमीरों और गरीबों की बीच की दीवार गिराएगा। वो योद्धा मरेगा नहीं सिर्फ मारेगा। इसके बाद साइबरपंक प्रोडक्शन डिजाइन और एलिमेंट्स के शॉट्स आते हैं, इसके बाद बॉडी के क्लोज़-अप शॉट्स के साथ टाइगर को दिखाया जाता है। ट्रेलर में कृति भी एक्शन करती नजर आ रही हैं। वहीं, अमिताभ बच्चन की स्क्रीन पर दमदार एंट्री होती है।

ट्रेलर में बिग बी कहते हैं कि अमीरों को उनके प्लान की भनक लग गई है और उनके लीडर को सिर्फ पैसों से मतलब है। इस कहानी की एक नई शुरुआत होती है। टाइगर श्रॉफ दुश्मनों से बदला लेने के लिए गुड्डु से गणपत बन जाते हैं। ट्रेलर में हाईं प्रोडक्शन वैल्यू, बूमिंग साउंडस्केप, ग्रिपिंग बैकग्राउंड स्कोर, इसके मुख्य कलाकारों द्वारा शानदार परफॉर्मेंस के साथ पॉलिश वीएफएक्स शामिल हैं। पूजा एंटरटेनमेंट गुड कंपनी के सहयोग से 'गणपत : ए हीरो इज बॉर्न' प्रस्तुत कर रहा है, जिसका निर्देशन विकास बहल ने किया है। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल ने किया है। यह फिल्म 20 अक्टूबर को दुनिया भर में हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज के लिए तैयार है।

सलमान ने भांजी के साथ शेयर की तस्वीरें

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार सलमान खान ने अपनी भांजी अलीजेह अग्निहोत्री के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। अलीजेह सलमान की बहन अल्वीरा खान और उनके पति व एक्टर-प्रोड्यूसर अतुल अगिनहोत्री की बड़ी बेटी हैं। सलमान खान ने अपनी भांजी को अपने फेमस ब्रैंड 'ह्यूमन बीइंग' में शामिल कर लिया है, जिसके लिए फोटोशूट हुआ।

पहली तस्वीर में दोनों डेनिम शर्ट और जींस में दिख रहे हैं। अलीजेह ने सलमान को पीछे की तरफ से पकड़ा हुआ है और फोटो के ऊपर लिखा है- से हेलो टू माय। अगली तस्वीर में अलीजेह पूरी तरह से ब्लैक ड्रेस और जैकेट पहने हैं, जबकि सलमान ने ब्लैक टी-शर्ट, पैंट और मैचिंग विंटर जैकेट पहना हुआ है। इस फोटो पर लिखा है- 'डिजाइन फॉर लव'। अलीजेह के साथ दो तस्वीरें साझा करते हुए, सलमान ने इंस्टाग्राम पर कैप्शन में लिखा, ''जीन्स में है लव एंड केयर, हम सिर्फ हम हैं... महिलाओं के बिल्कुल नए कलेक्शन में अलीजेह अग्निहोत्री।'' वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान 'टाइगर 3' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इसमें कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी हैं। यह फिल्म दिवाली पर रिलीज होने वाली है। अलीजेह 'फर्रे' से डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

लघु फिल्म 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' दर्शकों को लुभा रही

नयी दिल्ली/वार्ता

फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक राहत शाह काजमी द्वारा निर्देशित और एच.जी. वेल्स द्वारा रचित लघु फिल्म 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' दर्शकों को लुभा रही है। फिल्म को अधिकतर कश्मीर में फिल्माया गया है।

इसमें कलाकारों द्वारा पहनी गयी विशिष्ट पोशाकें प्रसिद्ध टीवी और सिनेमा कॉस्ट्यूम डिजाइनर 'द क्रीन ऑफ कॉस्ट्यूम' की ज़ेबा साजिद ने तैयार की हैं। इससे पहले उन्होंने फिल्म 'लिहाफ़' (2019) में भी पोशाकें तैयार की थी और उनके द्वारा तैयार की गयीं विशिष्ट पोशाकें को देखकर दर्शक आश्चर्यचकित थे। उन्हें विश्वास है कि एक फिर अपने द्वारा डिजाइन किए गए विशिष्ट परिधानों के माध्यम से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगी।

इस फिल्म को फिल्माने से पहले नेत्रहीन लोगों के दैनिक जीवन के सार और बुनियादी काम करने के दौरान उनके द्वारा किए जाने वाले संघर्षों को समझने के लिए नेत्रहीन लोगों पर आधारित कई फिल्में देखीं। सुश्री ज़ेबा बताती हैं कि उन्होंने प्रत्येक किरदार के लिए जो पोशाकें डिज़ाइन कीं, वे न तो दर्जी द्वारा बनाई गईं और न ही मशीन से बनाई गईं। सभी पोशाकें नेत्रहीनों की भूमिका में रहकर तैयार की गयी हैं।

इस फिल्म में अनूठे तरीके से जीवन को बिताते हुए दिखाया गया हैं, जिसमें अभिनेत्री हिना खान को दो अलग-अलग रंगों की चप्पलें पहने हुआ दिखाया गया है। वह बताती हैं कि कैसे उन्होंने अपनी प्री-प्रोडक्शन चर्चाओं के दौरान दृष्टिबाधित लोगों के साथ जंगलों में रहने वाले मनुष्यों के रूप में पात्रों की कल्पना की। इस फिल्म को छह अक्टूबर को अमेरिका में रिलीज किया गया है।

फिल्म 'धक-धक' ट्रेलर जारी

मुंबई/एजेन्सी

रत्ना पाठक शाह और फातिमा सना शेख की मच अवेटेड फिल्म 'धक धक' का आज ट्रेलर रिलीज हो गया है। मेकर्स ने आज महिला केंद्रित फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दर्शकों के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। इस फिल्म में रत्ना पाठक शाह, फातिमा सना शेख, दीया मिर्जा और संजना सांघी पहले कभी न देखे गए अंदाज में नजर आने वाली हैं। 'धक धक' का ये दमदार ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। इस ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पांस मिलते नजर आ रहा है। 'धक धक' चार ऐसी महिलाओं की कहानी है जो समाज की बंदिशों को तोड़ते हुए बाइक चलाने का शौक रखती हैं। ये चारों महिलाएं अलग उम्र वर्ग और अलग-अलग धर्म से ताल्लुक रखती है। सब कुछ अलग होने के बावजूद इनके दिलों में बाइकिंग के लिए जो प्यार है वो इन्हें एक-दूसरे से जोड़ता है और एक-दूसरे के करीब लाता है। फिल्म की कहानी की झलक दिखाते हुए 'धक धक' के ट्रेलर में ये साफ कर दिया गया है कि इस फिल्म में चार अलग-अलग महिलाओं के बीच जैसी बॉन्डिंग दिखने वाली है, वैसी शायद ही आपने किसी और फिल्म में देखी होग। ये चार महिलाएं सात दिन की बाइक ट्रिप पर जाती हैं जिस दौरान उन्हें उस आजादी का अनुभव होता है जो उन्हें शायद पूरी जिंदगी में कभी नहीं हुआ था। 13 अक्टूबर को होगी रिलीज

वायकॉम 18 स्टूडियोज की इस फिल्म को कई महिला केंद्रित फिल्मों में नजर आ चुकीं तापसी पन्नू, प्रांजल खंडड़िया, आयुष माहेश्वरी ने प्रोड्यूस किया है। 'धक धक' के निर्देशन की कमान डायरेक्टर तरूण डुडेजा ने संभाली है। 'धक धक' महिलाओं के बीच के अनकहे रिश्ते को पर्दे पर एक बिल्कुल नए अंदाज में पेश करने जा रहे जैसे आज तक हिंदी सिनेमा में कभी नहीं किया गया था। ये फिल्म इस शुक्रवार यानी 13 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

कृष चौहान का शो 'पुण्यश्लोक अहिल्याबाई' होगा बंद

मुंबई/एजेन्सी

'पुण्यश्लोक अहिल्याबाई' में मुख्य भूमिका निभाने वाले एक्टर कृष चौहान ने पुष्टि की कि टीवी शो बंद हो रहा है। इस शो में रानी अहिल्याबाई की भूमिका में एक्ट्रेस एतशा संसगिरी हैं। शो का फाइनल एपिसोड 27 अक्टूबर को प्रसारित होगा और टीम वर्तमान में अंतिम एपिसोड की शूटिंग कर रही है। उन्होंने कहा, इस अविश्वसनीय शो को अलविदा कहना मेरे लिए वास्तव में मुश्किल है, जो पिछले कुछ सालों से मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। जब मैं यहां बिताए गए सफर के बारे में सोचता हूं, तो मैं खुद को यहां से जुड़ा पाता हूं और इस बात से मायूस हो जाता हूं कि अब यह बंद हो रहा है। लेकिन मायूसी के बीच, मैं उन अविस्मरणीय अनुभवों और अवसरों के लिए कृतज्ञता से भरा हुआ हूं जो यह शो मेरे जीवन में लाया है। एक अभिनेता और एक व्यक्ति दोनों के रूप में यह विकास की एक अविश्वसनीय यात्रा रही है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे बेहद प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है, जो मेरा दूसरा परिवार बन गई। साथ में, हमने स्क्रीन पर जादू पैदा किया है, जो हमारे दर्शकों के दिलों को छू गया है। शो ने न केवल मुझे अपने एक्टिंग स्किल्स को प्रदर्शित करने के लिए एक प्लेटफॉर्म दिया है, बल्कि मुझे दृढ़ संकल्प और कहानी कहने की शक्ति के बारे में मूल्यवान सीख भी दी है। शो में कृष ने दो अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। उन्होंने 2001 के दौरान युवा खंडेराव होल्कर (अहिल्याबाई के पति) की भूमिका निभाई और वर्तमान में अहिल्याबाई के बेटे माले राव होल्कर की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, इस शो में मैंने जो किरदार निभाए हैं, वे मेरे बहुत करीब हैं और हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेंगे और मेरे लिए हमेशा सबसे यादगार और प्यारे किरदार रहेंगे। इन किरदारों ने मुझे प्यार और ताकत की भावना सिखाई है।

उन्होंने कहा, पुण्यश्लोक अहिल्याबाई शो बंद हो सकता है, लेकिन इसका प्रभाव और इसकी प्रतिभाशाली टीम का प्रदर्शन हमेशा हमारे दिलों में रहेगा। 4 जनवरी 2021 को प्रीमियर हुआ ऐतिहासिक शो रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1767 से 1795 तक मालवा क्षेत्र पर शासन किया था। यह सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 10-10-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

शांति इंसान के लिए सबसे जरूरी और महत्वपूर्ण है। आज लोगों के पास भौतिक सुविधाएं बहुत हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें मन की शांति नहीं है। धन-दौलत से संसाधन खरीदे जा सकते हैं, लेकिन शांति नहीं खरीदी जा सकती है। शांति बाजार में बिकने वाली वस्तु नहीं है। केवल मुख से चुप रहने से शांति नहीं मिलती, बल्कि सच्ची सुख-शांति तो तभी है जब व्यक्ति का मन चुप रहे। अशांति का कारण ही व्यक्ति का मन है। वे मन से अशांत हैं और जब तक उनका मन शांत नहीं होगा तब तक उनका जीवन सुखी नहीं हो सकता है। मन को नियंत्रित करने पर ही उन्हें शांति मिलेगी।

छीपासमाज के विट्ठल नामदेव मंदिर में प्रतिष्ठा महोत्सव 25 जनवरी को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थान नामदेव छीपा समाज के द्वारा आगामी 25 जनवरी को भगवान श्री विट्ठल नामदेव सहित श्री गणपतिजी मां सरस्वतीजी, श्री शिव परिवार, श्री हनुमानजी की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन करने जा रहा है। इस संदर्भ में अग्रिम तैयारी के लिए रविवार को एक बैठक हुई। साथ ही महिला मंडल द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। बैठक में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के संत श्री अमृतसेवा स्वामी एवं निरंजदास सेवा स्वामी के प्रवचन एवं आशीर्वाद से महोत्सव निर्विघ्न सम्पन्न होने की कामना की गई। प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियों के बारे में चर्चा की गई। बैठक में समाज बंधुओं के साथ महिलाओं ने भी अपनी अच्छी उपस्थिति दर्ज की गई।

विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय मणिलाल एम. मेहता गर्ल्स हायर सेकंडरी विद्यालय में विज्ञान तथा विविध विषयों के प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय के सचिव रोहित भाई के मेहता ने किया। इस मौके पर विद्यालय की सह सचिव वंदना बेन भी उपस्थित रही । विद्यालय के प्रधानाचार्य शशिकला एस. के संचालन में पूरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदर्शनी में कक्षा छः से लेकर बारह तक के सभी छात्राओं ने भाग लिया । छात्राओं ने विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे की भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, तथा गणित, अर्थशास्त्र ,समाजशास्त्र, अंकगणित, कॉमर्स विविध भाषाओं जैसे गुजराती, हिंदी, तमिल तथा अंग्रेजी आदि पर आधारित मॉडल चार्ट चित्रलेख इत्यादि बनाकर प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी में साहुकारपेट स्थिति अन्य स्कूलों के छात्राओं ने भी इस विद्यालय की छात्राओं से मुलाकात की और उत्साह पूर्वक प्रदर्शनी का आनंद उठाया।

विद्यालय की छात्राओं ने अन्य विद्यालय से आए हुए छात्रों को, आगंतुक अभिभावकों को विस्तार पूर्वक प्रदर्शनी के बारे में अवगत कराया जिसके लिए सभी ने छात्राओं की सराहना की।

गुरू शांतिसूरी के निर्वाण दिवस पर हुए विभिन्न अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के बाजार इलाके में गुरु शांति सूरी मंदिर में गुरू शांतिसूरी के 80वें निर्वाण दिवस पर विभिन्न अनुष्ठान हुए। धर्म सभा में गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री स्थविर मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्य मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी ने अपने आशीर्वचन से सभी का अभिसिंचित किया। मुनिश्री मनीषप्रभजी ने कहा कि गुरु शांतिसूरी इस शताब्दी के महान योगी थे। उन्होंने जीवन में अनेक कठिनाइयां झेली थी। उन्होंने तप से सरस्वती देवी से वरदान प्राप्त किया था। राजस्थान के मंडोली में वसंत पंचमी के मेले में हजारों भक्त उपस्थित होते हैं। इस दौरान गुरुदेव की ष्टकारी पूजन का आयोजन किया गया। धर्म सभा में मंदिर के अध्यक्ष देवीचंद गांधी ने स्वागत किया। संचालन सचिव सुरेश गुंदेसा ने किया। रात को भव्य भक्ति का कार्यक्रम और 108 दीपक से गुरुदेव की महा आरती हुई। पूरे दिन के विभिन्न कार्यक्रम के लाभार्थी शांतिबाई नवलमल गुंदेसा परिवार रहे। शांति सुरी भक्ति मंडल और महिला मंडल का अहम योगदान रहा।

क्षमापना दिवस एवं अंर्तमहाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज में 7 अक्टूबर को भगवान महावीर सभागार में अंतरमहाविद्यालय भाषण प्रतियागिता के साथ क्षमापना दिवस मनाया गया। मंगलाचरण और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। उत्सव की अध्यक्षता एससीपीजेसी के अध्यक्ष नेमीचन्द कटारिया ने की। सचिव ललित कुमार ओ जैन, संयुक्त सचिव सुरेश राठौड़, प्रबंधन सदस्य हितेन्द्र मुनोथ आदि उपस्थित थे। प्रिंसिपल डॉ. एन सुजाता ने सभी का स्वागत किया।

सचिव ललित जैन ने कहा कि हर कोई भगवान महावीर के अच्छे सिद्धांतों को अपना सकता है और अपने जीवन में अच्छे नैतिकता और मूल्यों को बनाए रख सकता है। एससीपीजेसी के अध्यक्ष नेमीचंद कटारिया ने किसी को ठेस न पहुंचाने और सभी से क्षमा मांगने की सलाह दी। इंटरकॉलेजिएट एलोक्यूशन प्रतियोगिता तमिल, हिंदी और अंग्रेजी तीनों भाषाओं में आयोजित की गई थी। तमिलनाडु और उसके आसपास के विभिन्न जैन कॉलेजों के छात्रों ने क्षमा के लिए जैन धर्म दर्शन का महत्व, यही कारण है कि यह आज के समय में इतना महत्वपूर्ण है विषय पर भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। पुरस्कार विजेताओं को प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार स्वरुप 10 हजार नकद, द्वितीय के लिए 5 हजार, तृतीय पुरस्कार 2.5 हजार रुपए तथा सभी प्रतिभागियों को 500 रुपए नकद दिए गए। अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष एम. विजयालक्ष्मी ने पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की। धन्यवाद ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर एम.आशादेवी ने दिया।

सह जोड़े शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में श्री ऑल इंडिया स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस,नई दिल्ली एवम तमिलनाडु प्रांतीय जैन कांफ्रेंस के संपूर्ण सहयोग से तमिलनाडु प्रांतीय युवा शाखा द्वारा सह जोड़े शिविर का आयोजन साध्वीश्री चैतन्यश्री म. सा. के सान्निध्य में एएमकेएम परिसर में सम्पन्न हुआ।

शिविर में लगभग 10 जोड़ों ने भाग लिया। 15 लकी ड्रा भी निकले गये जिसके लाभार्थी परिवार अशोक कुमार मनीष कुमार रांका परिवार नेहरू बाजार रहा। उपरोक्त कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा उपाध्यक्ष आशीष रांका, युवा अध्यक्ष आनंद बालेचा, महामत्री मनीष रांका, जीव दया योजना अध्यक्ष शांतिलाल गुगलिया एवं वैयावच्च सेवा अध्यक्ष महेंद्र सेठिया आदि पदाधिकारियो के साथ अजीत कोठारी , शांतिलाल रांका, विनोद गुंदेचा, महावीर लालवानी, अरिहंत कांकरिया, निखिल छलानी, गौतम लोढ़ा आदि का सहयोग प्राप्त हुआ।

सभी संस्थाओं से हिलमिल कर करें कार्य : साध्वी लावण्यश्री

तेरापंथ ट्रस्ट बोर्ड के चुनाव हुए सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा ट्रस्ट बोर्ड (तमिलनाडु स्तरीय) साहुकारपेट का वार्षिक साधारण अधिवेशन, तेरापंथ सभा भवन में सानन्द सम्पन्न हुआ। प्रबंध न्यासी विमल चिप्पड़ ने स्वागत स्वर प्रस्तुत करते हुए सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, संस्थाओं इत्यादि के मिले तन मन धन के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। मंत्री राजेन्द्र भण्डारी, कोषाध्यक्ष अनिल लुणावत एवं अन्य समिति संयोजकों ने अपनी अपनी गतिविधियों का ब्योरा सदन पटल पर रखा। जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया।

सदन ने चुनावी प्रक्रिया के लिए मंच चुनाव अधिकारी सम्पतराज चौरड़िया को सुपुर्द किया। अपने सह चुनाव अधिकारी शांतिचन्द भण्डारी के साथ चुनाव के नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि कुल 22 व्यक्तियों के वैध नामांकन पत्र के आधार पर सभी को वोट देना है। सहयोगी प्रवीणकुमार समदड़िया, स्वरूप चन्द दाँती, विनोद धोका, मनोज डुंगरवाल के साथ चुनावी प्रक्रिया सम्पन्न करवाई। प्राप्त मतों के आधार पर चुनाव अधिकारी श्री सम्पतराज चोरड़िया ने विमल चिप्पड़, अनिल लुणावत, प्रवीणकुमार बाबेल, राजेन्द्र भण्डारी, चन्द्रेश कुमार चिप्पड़, अशोककुमार डागा, गौतमचन्द जे सेठिया, गौतमचन्द धारीवाल, महेन्द्र कुमार माण्डोत, विनोद डागा, विनोद डांगरा, तनसुखलाल नाहर, धरमीचन्द छल्लाणी, तरुणकुमार दुगड़, बाबुलाल डुंगरवाल को विजेता घोषित किया। चुनावी प्रक्रिया के बाद चयनित ट्रस्टियों के साथ जनमेदनी को पाथेय प्रदान करते हुए साध्वी लावण्यश्री ने कहा कि बड़ा हर्ष है कि आज ट्रस्ट बोर्ड की सारी चुनावी प्रक्रिया पूर्ण शालीनता भरे वातावरण में हुई। विजेता बने या नहीं, यह एक व्यवस्था है, सभी धर्मसंघ की प्रभावना में योगभूत बने। संघ और संघपति की आराधना करते हुए आप सेवा कार्य करते रहे। धर्म संघ की सभी संघीय संस्थाओं के साथ हिलमिल कर कार्य करे। ऐसा प्रभाव रखे कि केन्द्र में भी जब कोई बात हो तो सुन्दर कार्य शैली के लिए चेन्नई का नामोल्लेख हो। कार्यकर्ता अपने दिमाग में आइस फैक्ट्री और मुँह में शुगर फैक्ट्री लगा कर रखें। सहमंत्री गौतमचन्द धारीवाल ने आभार व्यक्त किया। सभी संघीय संस्थाओं की ओर से चयनित ट्रस्टियों को बधाई दी गई।

नागौर जैन एसोसिएशन का सावंत्सरिक क्षमापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नागौर जैन एसोसिएशन का सावंत्सरिक क्षमापना का कार्यक्रम एमएसआर महल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत जरूरतमंदों को अन्नदान करा के किया गया। इसके बाद साधर्मिक वात्सल्य योजना के अंतर्गत जरूरतमंद जैन परिवारों को राशन वितरित किया गया। इसके सहयोगी अजीत कुमार अशोककुमार शिखरचंद कोठारी रहे।

अध्यक्ष संजय पींचा ने सबका स्वागत किया। मंत्री अभिनंदन बोथरा ने सभी पदाधिकारियों व अतिथियों का स्वागत किया। कलाकार अनिल नागौरी एवं टीम ने गीत से सबका दिल जीत लिया। कार्यक्रम के आयोजन में शांतिदेवी हरकचंद छाजेड़ एवं शांतिदेवी उत्तमचंद सेठिया का सहयोग रहा। प्रगति पींचा को प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार एवं चंद्रप्रकाश जैन को 15 साल से बड़े के लिए आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला। स्वामीवात्सल्य के सहयोगी लालचंद सुशील कुमार ललवाणी का अभिनंदन किया गया।

बाशिया सिद्धि — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के जयगोपाल गारोदिया मैट्रिक हायर सेकेन्डरी स्कूल में भाषाओं का उत्सव बाशिया सिद्धि का उद्घघाटन सोमवार को मुख्यअतिथि डीन स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज के एसोसिएशन प्रो. डॉ. एलआरएस कलानिधि ने किया। विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिनका मूल्याकंन विभिन्न संस्थानों के निर्णायकों को आमंत्रित किया गया है। समापन समारोह में नंदनम कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के प्रो. डा. जयाबालन ने अध्यक्षता की। प्रबंध न्यासी अशोक केडिया ने सभी का स्वागत किया। संक्षिप्त प्रतिवेदन प्राचार्या आर.हेमामालानी द्वारा प्रस्तुत किया गया। विशेष नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

नार्थ टाउन में आचार्य जयमल की जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां नार्थ टाउन में आचार्यश्री जयमलजी म.सा. की 316 वीं जयंती श्री जयतिलकमुनिजी म.सा. 'लघु' के शुभ सान्निध्य में एस. एस. जैन संघ, नार्थ टाउन द्वारा रविवार को मनाई गई ।

शनिवार और रविवार को 24 घंटे जयजाप एएमकेएम स्थानक नार्थ टाउन में रखा गया। बैद परिवार की ओर से प्रभावना दी गई। एकासन तप के लाभार्थी पेरम्बुर निवासी कमला कुमारी पारसमल बोहरा परिवार का सम्मान मंत्री ललीत बेताला, उपाध्यक्ष अनिल मेहता, सहमंत्री प्रमोद ललवाणी ने किया। जयंती समारोह में अध्यक्ष अशोक एम. कोठारी ने पधारे सभी अतिथियों व उपस्थित सभी का स्वागत किया। बहु मण्डल ने स्तवन प्रस्तुत किया। अनेक वक्ताओं ने जयमलजी के बारे में विचार रखें। इस अवसर पर शासन सौभाग्यतिलक आचार्य देवेश श्री देवेन्द्रसागरसूरिश्वरजी म.सा. ने पधार कर निश्रा प्रदान की और गुरु की महिमा पर गुणगान किया।

आचार्य सम्राट जयमल जयंती के संपूर्ण लाभार्थी परिवार महावीरचन्द सुरेशकुमार, महेन्द्रकुमार, विकास, कियान बैद, श्रीमती बबीता, कल्पना बैद, नॉर्थ टाऊन का सहयोग रहा। उनका सम्मान किया गया। संवत्सरी पर तपस्यार्थीयों के पारणे के लाभार्थी खीचा परिवार का अभिनंदन हुआ। श्री जयमल जी म सा जन्म से लेकर दीक्षा तक के जीवन पर नाटक बबीता बैद व उनकी टीम ने प्रस्तुति दी। श्री जयतिलकमुनिजी म.सा. 'लघु' ने बताया कि आचार्य सम्राट जयमलजी एक महान विभूति थे। हमें भी उनकी तरह बन कर आत्मा का कल्याण करना है। जय जाप के कलश की बोली मरुधर केसरी पावन धाम जेतारण के चेयरमैन मोहनलाल गडवानी परिवार ने ली। अंत में बोहरा परिवार की ओर से प्रभावना में लड्डू, बैद परिवार की तरफ से बेग और गुप्त सहयोगी की तरफ से सभी को चांदी के सिक्के दिये गये। अध्यक्ष अशोक एम. कोठारी ने समारोह का संचालन किया। श्रावक संघ, युवा मण्डल, महिला मण्डल, बहु मंडल के कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान करके आयोजन को सफल बनाया।

अशांत मन से आप किसी बढ़िया परिणाम की उम्मीद नहीं कर सकते: देवेंद्रसागरसूरि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने धर्म वाणी के माध्यम से प्रवचन देते हुए कहा कि शांति इंसान के लिए सबसे जरूरी और महत्वपूर्ण है। आज लोगों के पास भौतिक सुविधाएं बहुत हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें मन की शांति नहीं है। धन-दौलत से संसाधन खरीदे जा सकते हैं, लेकिन शांति नहीं खरीदी जा सकती है। शांति बाजार में बिकने वाली वस्तु नहीं है। केवल मुख से चुप रहने से शांति नहीं मिलती, बल्कि सच्ची सुख-शांति तो

तभी है जब व्यक्ति का मन चुप रहे। अशांति का कारण ही व्यक्ति का मन है। वे मन से अशांत हैं और जब तक उनका मन शांत नहीं होगा तब तक उनका जीवन सुखी नहीं हो सकता है। मन को नियंत्रित करने पर ही उन्हें शांति मिलेगी। हाथ में माला फेरने और जीभ से भजन करने से ईश्वर का सच्चा सुमिरन नहीं होता है, यदि मनुष्य का मन ही एकाग्र न हो। मनुष्य का मन एकाग्र करने के लिए आचार्य श्री ने आगे कहा कि जो व्यक्ति नियम और अनुशासन से चलता है उसका मन कभी अशांत नहीं होगा, बल्कि वह स्वयं प्रफुल्लित रहेगा और अपने आसपास के लोगों को भी सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करेगा। मन की शांति किसी भी मनुष्य के लिए एक अनमोल धन है। इसके बिना जीवन में सब कुछ बेकार है। अगर आपके मन में शांति नहीं होगी तो आप इस दुनिया की किसी भी चीज से प्रसन्न और आनंदित नहीं हो सकते भले ही आपके पास कितना भी धन क्यों ना हो। वहीं अगर आपके पास मन की शांति है तो आप झोंपड़ी में भी प्रसन्नता के साथ रह सकते हैं।

आमंत्रण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के श्री साधुमार्गी जैन संघ तंडियारपेट के अध्यक्ष तथा तमिलनाडु गौ माता सेवा महासंघ नई दिल्ली के तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष बी .अशोक रांका जैन ने हाल ही में बेंगलूरु में भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सदस्य तेजस्वी सूर्या से उनके कार्यालय में मुलाकात कर आगामी 15 अक्टूबर को नीमच मध्य प्रदेश में श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के वार्षिक अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया। जिसे सांसद तेजस्वी सूर्या ने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.